केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
# भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आर्मत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 344 शुक्रवार 10 जुलाई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

## एक नजर

### आकाशीय बिजली गिरने से 3 की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मानपुर तहसील क्षेत्र में गुरुवार को आकाशीय बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक किशोरी, एक युवती और एक वृद्ध शामिल हैं। ये सभी धान की रोपाई कर रहे थे।

पहली घटना इब्राहिम चक उर्फ शेखपुर गांव में हुई। यहां राम कैलाश की 14 वर्षीय पुत्री राधिका अपने खेत में धान की रोपाई कर घर लौट रही थी, तभी बिजली की चपेट में आ गई। परिजन उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैवा, सिद्धार्थनगर ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। राधिका कक्षा सात की छात्रा थी।

दूसरी घटना हलुवा हसनपुर गांव में सामने आई। 65 वर्षीय हरिराम पुत्र रामलाल अपने परिवार के साथ खेत में धान की रोपाई कर रहे थे। दोपहर करीब 1.30 बजे आकाशीय बिजली गिरने से वह झुलस गए। उन्हें नरखोरिया के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें भी मृत घोषित कर दिया। इस घटना में हरिराम का बेटा अटल बिहारी भी बिजली की चपेट में आया, लेकिन उसकी जान बच गई। उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

तीसरी घटना टड़ौही गांव में हुई। यहां रमेशराम की पुत्री चांदनी शर्मा दोपहर करीब 2 बजे अपने खेत में धान की रोपाई कर रही थी, तभी आकाशीय बिजली की चपेट में आ गई। परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रुधौली ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उसे भी मृत घोषित कर दिया। वही तीनों मृतक के परिजनों का रो–रोकर है बुरा हाल

घटना की सूचना मिलने पर भानपुर तहसील की नायब तहसीलदार पूजा वर्मा, लेखपाल वीरेंद्र मौर्य और हल्का लेखपाल जयप्रकाश वर्मा मृतकों के घर पहुंचे और परिजनों को सांत्वना दी। भानपुर के तहसीलदार पंकज कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया तीनों की मौत आकाशीय बिजली गिरने से हुई है। उन्होंने हल्का लेखपालों को भेजकर मामले की जांच कराने के निर्देश दिए हैं। जांच के बाद सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

### करंट से ग्राम प्रधान प्रतिनिधि की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बनकटी विकासखंड की ग्राम पंचायत बरडूआ के प्रधान प्रतिनिधि सुरेंद्र पटेल की घर में बिजली के शॉर्ट सर्किट से मौत हो गई। परिजनों ने उन्हें आनन–फानन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, लेकिन जिला अस्पताल ले जाते समय उन्होंने दम तोड़ दिया।

घटना तब हुई जब सुरेंद्र पटेल के घर में बिजली का शॉर्ट सर्किट हुआ। परिजनों को जानकारी मिलते ही वे सुरेंद्र को लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। वहां फार्मासिस्ट पी.पी. पांडे ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया था। सुरेंद्र पटेल अपने पीछे तीन बच्चों को छोड़ गए हैं, जिनमें 14 वर्षीय अंशु, 10 वर्षीय आशी और 8 वर्षीय अनुज शामिल हैं। उनकी पत्नी अंजली चौधरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एएनएम के पद पर कार्यरत हैं।

इस दुखद घटना की सूचना मिलते ही 311 विधानसभा क्षेत्र के विधायक दूधराम मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को सरकार की ओर से हरसंभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। बनकटी ब्लॉक के बीडीओ भवानी प्रसाद शुक्ला, प्रधान संघ अध्यक्ष रविचंद्र पांडे और क्षेत्र पंचायत सदस्य ने भी दिवंगत आत्मा के प्रति अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं।

# अमेरिका– ईरान फिर आमने– सामने

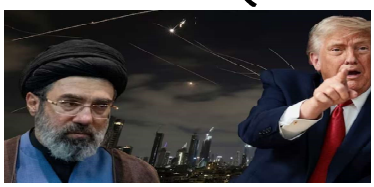

तेहरान (आभा)। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अब बेहद खतरनाक मोड़ ले चुका है। अप्रैल में हुए सीजफायर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा खत्म घोषित किए जाने के बाद अमेरिका ने ईरान पर बड़े हमले शुरू कर दिए हैं। गुरुवार को ईरान के दक्षिण–पूर्वी और सामरिक रूप से अहम चाबहार पोर्ट को निशाना बनाते हुए अमेरिका ने ताबड़तोड़ बमबारी की। अमेरिकी सेना ने करीब 90 ईरानी ठिकानों को तबाह करने का दावा किया है। वहीं, अमेरिका को करारा जवाब देते हुए ईरान ने भी कुवैत और बहरीन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर लगातार दूसरे दिन हमले किए हैं। इस तनाव के बीच कुवैत में मिसाइल और ड्रोन हमलों का अलर्ट भी जारी किया गया है। चाबहार में कई जोरदार धमाकों की खबर है। ईरान की सरकारी मीडिया के मुताबिक, शहर के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर बिजली गुल हो गई है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने कई धमाकों की आवाजें सुनीं, जिसके बाद इमरजेंसी सर्विस की टीमों को प्रभावित इलाकों की ओर दौड़ते देखा गया। अप्रैल में सीजफायर की घोषणा के बाद इस रणनीतिक बंदरगाह पर यह पहला हमला है। इसके अलावा, ईरान के गोलेस्तान प्रांत में अक टेकेह खान रेलवे ब्रिज पर भी मिसाइलें दागी गई हैं।

## मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने का समय मांगा तो ठाकुर प्रेमनन्दबंशी नजरबंद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 10 जुलाई की जनपद यात्रा को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के कड़े प्रबन्ध किये गये हैं। पुलिस से राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के मण्डल महासचिव एवं लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी ठाकुर प्रेमनन्दबंशी को उनके पैकोलिया थाना क्षेत्र के महादेवा स्थित घर पर नजरबंद कर लिया है।

ठाकुर प्रेमनन्दबंशी ने बताया कि उन्होने जनपद की प्रमुख समस्याओं से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को परिचित कराये जाने की मांग को लेकर जिलाधिकारी को पत्र भी लिखा था किन्तु समय दिलाने की जगह उन्हें नजरबंद कर लिया गया। स्वस्थ लोकतंत्र के लिये यह कार्रवाई ठीक नहीं है। बताया कि भले ही पुलिस ने उन्हें नजरबंद कर दिया हो किन्तु वे जनपद की समस्याओं के निराकरण के मांग को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लखनऊ या गोरखपुर पहुंचकर अवश्य अवगत करायेंगे।

## ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की पहल सराहनीय-डा. राम सुभाष वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की आवश्यकता है जहां लोग न्यूनतम रूपये में स्वस्थ हो। यह विचार आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष डॉ. राम सुभाष वर्मा ने रुधौली विधानसभा क्षेत्र से सटे पिरेला चौराहा, वीरपुर में ए.जी. लाइफ केयर क्लिनिक मेडीपॉइंट का फीता काटकर गुरुवार को उद्घाटन करते हुये व्यक्त किया।

इस अवसर पर आम आदमी पार्टी ओबीसी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष जगदीश प्रसाद गुप्तों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता से स्थानीय लोगों को बेहतर उपचार मिल सकेगा और उन्हें छोटी–छोटी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। क्लीनिक का संचालन डॉ. अरविंद गुप्ता, डॉ. विकास कुमार चौधरी एवं आरती गुप्ता (जीएनएम) द्वारा किया जाएगा। संचालकों ने बताया कि क्लीनिक में मरीजों को बेहतर चिकित्सा परामर्श एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में दिलीप चौरसिया, संतोष साहू, शुभम गुप्ता, सोनू गुप्ता, विनय कुमार पाण्डेय, अमित वर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

## समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री से मिलेंगे बसपा नेता के.पी. राठौर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बहुजन समाज पार्टी के पूर्व मण्डल प्रभारी एवं विधानसभा संयोजक मुस्लिम भाई चारा कमेटी के.पी. राठौर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनपद यात्रा के दौरान मिलकर हरैया में जनपद की समस्याओं, कानून व्यवस्था, ऐथानाल फैक्ट्री, लालगंज के सिद्धनाथ गांव में मासूम दलित बेटी की हत्या, मेहनौना में लक्ष्मण निषाद की हत्या, मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के जोगिया में हुई मौत सहित अन्य मामलों को लेकर ज्ञापन सौंपेंगे।

बसपा नेता के.पी. राठौर ने बताया कि जनपद में जघन्य हत्या, लूट सहित अनेक गंभीर मामलों एवं शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, बढती मंहगाई को लेकर वे निरन्तर संघर्ष कर रहें है किन्तु न्याय नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में उनका पूरा प्रयास होगा कि मुख्यमंत्री से मिलकर उन्हें समस्याओं की जानकारी देते हुये प्रभावी समाधान का आग्रह कराया जाय।

## राजेश दूबे की स्मृति में निःशुल्क चिकित्सा शिविरः 230 का उपचार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सामाजिक कार्यकर्ता राजेश दूबे की पुण्यतिथि पर गांधीनगर स्थित एस.आर.डी. हॉस्पिटल में गुरुवार को विशाल निःशुल्क चिकित्सा एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में किडनी, लीवर, रक्त, कोलेस्ट्रॉल, शुगर, ब्लड प्रेशर तथा थायराइड की निःशुल्क जांच की गई। इसके साथ ही नेत्र रोगियों की जांच कर 230 लोगों को निःशुल्क चश्मे तथा बरसात से बचाव हेतु 300 छाते वितरित किए गए।

शिविर का शुभारम्भ एस.पी. ग्रुप के निदेशक आशीष दूबे एवं एस.आर.डी. हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. रोहन दूबे ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित गणमान्य नागरिकों ने स्व. राजेश दूबे जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। वक्ताओं ने कहा कि स्व. राजेश दूबे का जीवन समाज सेवा, सरलता और आत्मीयता का प्रतीक था तथा उनकी स्मृति में आयोजित यह शिविर जनसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है।

शिविर में कुल 1360 मरीजों ने विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों से निःशुल्क परामर्श प्राप्त किया। इनमें जनरल फिजीशियन डॉ. अश्विनी सिंह, डॉ. अभिनव मिश्र, डॉ. हुसैन, महिला रोग विशेषज्ञ, न्यूरो फिजीशियन डॉ. के.के. दूबे, हड्डी रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ सहित अन्य चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इस अवसर पर एस.पी. ग्रुप के निदेशक अखिलेश दूबे, धीरेंद्र शुक्ल, विनय शुक्ल, सत्यदेव शुक्ल, भोलानाथ चौधरी, कृष्णमणि त्रिपाठी, ओमप्रकाश दूबे, मनीष सिंह, देवव्रत शुक्ल, विष्णु शुक्ल, रामचन्द्र यादव, ओमप्रकाश आर्या, गरुणध्वज पाण्डेय, प्रदीप दूबे, डॉ. के.के. सिंह, एम.पी. दूबे, गोपेश्वर त्रिपाठी, कैलाशनाथ दूबे, सुशील मिश्र, अनुराग शुक्ल, प्रभुप्रीत सिंह, संतोष दूबे, अभिषेक त्रिपाठी, सुनील सिंह, वीरेन्द्र उर्फ बंकू, रामानन्द उर्फ नन्हे सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अखिलेश दूबे ने सभी चिकित्सकों, सहयोगियों एवं उपस्थित नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

# मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हरैया में करेंगे विकास योजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को बस्ती जिले के हरैया पहुंचेंगे। वे यहां हरैया और कप्तानगंज विधानसभा क्षेत्रों की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे, साथ ही एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री दोपहर 12.20 बजे हरैया स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के हेलीपैड पर पहुंचेंगे। इसके बाद, वे 12.30 बजे से 1.30 बजे तक विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे।

पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह के अनुसार, मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को सकुशल संपन्न कराने के लिए लगभग 1460 पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। सुरक्षा व्यवस्था में 4 अपर पुलिस अधीक्षक, 12 पुलिस उपाधीक्षक, 55 निरीक्षक/थाना प्रभारी, 230 उपनिरीक्षक, 852 कांस्टेबल, 146 महिला कांस्टेबल, 50 एलआईयू कर्मी, 120 यातायात पुलिसकर्मी, एक कंपनी पीएसी और 6 फायर टेंडर तैनात रहेंगे।

पूरे कार्यक्रम स्थल को जोन और सेक्टर में बांटा गया है। प्रत्येक जोन में राजस्व एवं पुलिस के राजपत्रित अधिकारियों की तैनाती की गई है ताकि सुरक्षा व्यवस्था चाक–चौबंद रहे। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए शुक्रवार सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक रूट डायवर्जन प्रभावी रहेगा। बस्ती–लखनऊ, गोरखपुर, गोंडा और अयोध्या की ओर आने–जाने वाले भारी वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं।

गोपाल ढाबा, तहसील परिसर, लिटिल फ्लावर स्कूल, बीआर इंटर कॉलेज, नेशनल इंटर कॉलेज, खंड विकास कार्यालय सहित विभिन्न स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

# डी.पी.आर.ओ. से वार्ता के बाद सफाई कर्मचारी संघ ने स्थगित किया आन्दोलन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरुवार को जिला पंचायत राज अधिकारी 'डी.पी.आर.ओ.' घनश्याम सागर से वार्ता और सहमति के बाद उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ ने अपना प्रस्तावित आन्दोलन स्थगित कर दिया है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से संघ अध्यक्ष अजय आर्य ने बताया कि डीपीआरओ द्वारा सफाई कर्मचारियों और संगठन के पदाधिकारियों के साथ अभद्र व्यवहार करने, सामूहिक रूप से गाली देने को लेकर आक्रोश का माहौल था। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल और स्वच्छता सम्नव्यक राजा शेर सिंह की पहल पर डीपीआरओ और संघ अध्यक्ष अजय आर्य, जिला कोषाध्यक्ष अशोक चौहान, संगठन मंत्री अमित कुमार चक्रवर्ती, जिला लेखा सम्प्रेक्षक भरत कुमार यादव, संजय यादव, मण्डल मंत्री, राजेश कुमार, रूद्रनरायन उर्फ रूदल, सन्तोष कुमार शर्मा की मौजूदगी में सफाई कर्मचारियों की समस्याओं, वेतन विसंगति, एरियर भुगतान, ए.सी.पी., दिव्यांग भत्ता आदि को लेकर लम्बी वार्ता हुई। डीपीआरओ घनश्याम सागर ने कहा कि प्राथमिकता से समस्याओं का निस्तारण कराया जायेगा। कहा कि यदि उनकी किसी बात से सफाई कर्मचारी या संगठन पदाधिकारियों के सम्मान को ठेस पहुंची हो तो वे उसे वापस लेते हैं।

# खेत में कब्जे के विवाद को लेकर हमला शिवसेना ने किया गिरफ्तारी की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पैकोलिया थाना क्षेत्र के मुईली गांव में पुश्तैनी जमीन के बंटवारे को लेकर चल रहे विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पीड़िता लक्ष्मी देवी ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में कहा है कि खेत की जुताई और धान की रोपाई को लेकर हुए विवाद में विपक्षियों ने उनके परिवार के साथ मारपीट की, जिसमें पति–पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि उनके बेटे और बेटी को भी चोटें आईं। मामले में पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है, लेकिन अब तक गिरफ्तारी न होने पर शिवसेना ने नाराजगी जताई है।

पीड़िता लक्ष्मी देवी पत्नी छोटेलाल ने बताया कि उनके पति छोटेलाल और उनके तीन भाइयों मंगल प्रसाद, महेश कुमार तथा रामसुरेश के बीच पुश्तैनी जमीन के बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। गत 7 जुलाई की शाम करीब पांच बजे गाटा संख्या 125 व 642 में जगदीन, राहुल पुत्रगण मंगल प्रसाद, रामसुरेश पुत्र फागू तथा पूजा पुत्री मंगल प्रसाद जबरन खेत की जुताई कराकर धान की रोपाई करा रहे थे। इसे रोकने पहुंचे उनके बेटे विशाल और बेटी रोशनी के साथ गाली–गलौज करते हुए मारपीट की गई। विशाल ने फोन कर घटना की सूचना अपने माता–पिता को दी, जो उस समय किसी अन्य मामले में थाने पर मौजूद थे।

पीड़िता का आरोप है कि जब वह अपने पति के साथ खेत पर पहुंचीं तो विपक्षियों ने लाठी–डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग बीच–बचाव के लिए पहुंचे, जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। मारपीट में लक्ष्मी देवी और उनके पति को गंभीर चोटें आईं, जबकि बेटे विशाल और बेटी रोशनी को हल्की चोटें आईं। घायलों को एंबुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरैया में भर्ती कराया गया। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान आरोपियों ने उनके बेटे विशाल का मोबाइल फोन भी छीन लिया, जिसमें घटना की वीडियो रिकॉर्डिंग मौजूद थी।

मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस प्रकरण पर शिवसेना जिला प्रभारी प्रमोद पाण्डेय ने कहा कि पीड़ित परिवार संगठन के पदाधिकारी हैं। यदि संगठन के पदाधिकारी ही सुरक्षित नहीं हैं तो आम जनता की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि मुकदमा दर्ज होने के बावजूद आरोपियों की अब तक गिरफ्तारी नहीं हुई है। संगठन की मांग है कि सभी नामजद आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर पीड़ित परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए। शिवसेना जिला प्रभारी प्रमोद पाण्डेय ने कहा कि दोषी गिरफ्तार न हुये तो शिवसेना आन्दोलन को बाध्य होगी।

पीड़ित परिवार का कहना है कि गिरफ्तारी न होने से आरोपियों के हौसले बुलंद हैं और वे लगातार धमकियां दे रहे हैं। इस दौरान सोनी सिंह, दीप्ति सिंह, मृगाती देवी, गीता देवी, फूलमती, हरिश्चंद्र सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

# अब सरदार पटेल चौक के नाम से मिलेगी पटेल चौक को नई पहचान–संजय चौधरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पटेल चौराहे से हरदिया मार्ग पर भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति में निर्मित स्मृति द्वार का गुरुवार को जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी ने फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, जनप्रतिनिधि और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उद्घाटन के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने में ऐतिहासिक योगदान दिया। उनके आदर्श और राष्ट्र निर्माण में निभाई गई भूमिका आज भी प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि यह स्मृति द्वार आने वाली पीढ़ियों को सरदार पटेल के महान व्यक्तित्व और उनके योगदान की याद दिलाता रहेगा। साथ ही उन्होंने घोषणा की कि अब तक पटेल चौक के नाम से प्रसिद्ध यह स्थान आगे 'सरदार पटेल चौक' के नाम से जाना जाएगा।

## –सरदार वल्लभभाई पटेल स्मृति द्वार का उद्घाटन

इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता जगदीश प्रसाद शुक्ला, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, ऐश्वर्या राज सिंह, आलोक रंजन वर्मा, प्रमोद पाण्डेय, सतीश सोनकर, रोली सिंह, विनय चौधरी, प्रदीप चौधरी, अखिलेश चौधरी, विक्की, कृष्ण चंद्र गुप्ता, इंद्रेश चौधरी, अवनीश चौधरी, राहुल पाण्डेय, चन्द्र प्रकाश चौधरी, जगनारायण चौधरी के साथ ही बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

दैनिक
## भारतीय बस्ती
**20 जुलाई 2026 स्थापना दिवस विशेषांक**

दैनिक भारतीय बस्ती आगामी 20 जुलाई 2026 को अपने प्रकाशन यात्रा के 47 वर्ष पूरा कर 48 वें वर्ष में प्रवेश करेगा। इस अवसर पर पत्रकारिता पर केन्द्रित एक संगोष्ठी ' पत्रकारिता में ए.आई वरदान या अभिशाप" के साथ ही विशेष परिशिष्ट का प्रकाशन किया जा रहा है।

20 जुलाई 2026 को प्रकाशित विशेषांक में पत्रकारिता एवं जीवन जगत से सम्बंधित अनेक आलेख प्रकाशित किये जायेंगे। कृपया इस विशेषांक में लेख, समीक्षा आदि उपलब्ध कराकर सहयोग करें। सामग्री 16 जुलाई 2026 तक उपलब्ध हो जाय जिससे प्रकाशन में सुविधा रहे।

सम्पादक

bhartiya basti@gmail.com
MO. 9336715406

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 10 जुलाई 2026 शुक्रवार

## सम्पादकीय

### जनगणना में जाति की गिनती

जनगणना 2027 के दूसरे चरण का रिहर्सल 16 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 6 जुलाई से चल रहा है, जिसमें मुख्य खासियत है एक "खुला कॉलम" जिसमें लोग अपनी जाति बता सकते हैं जिसे गणनाकर्ता दर्ज करेगा। साल 2011 की 'सामाजिक–आर्थिक और जाति जनगणना' (एसईसीसी) में भी यह खासियत थी, लेकिन उसके उलट सीधे जनगणना में जाति की इस गिनती को वैधानिक समर्थन प्राप्त है। पूर्व–परीक्षण 20 जुलाई को खत्म हो रहा है और सरकार का कहना है कि इसके बाद वह जाति गिनने के तरीके को अंतिम रूप देगी। उम्मीद है कि पूर्व–परीक्षण के निष्कर्ष पहले से ज्ञात बात की पुष्टि करेंगे रू जाति के बारे में अस्पष्ट (ओपन–एंडेड) जवाब से केवल ऐसा डेटा मिलता है जिसे संभाल पाना मुश्किल होता है, जैसा कि साल 2011 में एसईसीसी में देखा गया था, जो आखिरकार किसी काम का नहीं साबित हुआ। यह समझना कठिन नहीं है कि ऐसा क्यों हुआ। इस तरीके की वजह से एसईसीसी 2011 में 46 लाख से अधिक "जाति नाम" सामने आये, जबकि साल 1931 की जनगणना में वह आखिरी जनगणना जिसमें जाति की गिनती की गयी थी, यह संख्या 4,147 थी। उत्तरदाताओं ने उपनामों, उप–जातियों और कुल नामों, जिनका इस्तेमाल शायद एक–दूसरे की जगह हो सकता था, को दर्ज किया, जिससे यह गिनती बढ़कर बेमतलब बन गयी। केंद्र सरकार ने 2021 में सुप्रीम कोर्ट को बताया कि एसईसीसी के आंकड़ों में इतनी त्रुटियां हैं कि आरक्षण के लिए उन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। बजाय इसके, पूर्व–परीक्षण को एक बेहतर तरीका पेश करना चाहिए कृ डिजिटल जनगणना के हैंड–हेल्ड डिवाइसेज का इस्तेमाल करना, जिनमें जातियों और उप–जातियों की एक संवारी हुई सूची पहले से लोड हो, ताकि गणनाकर्ता उत्तरदाता से पूछकर 'सही' प्रविष्टि चुने। गलतियां और बेमेलपन होंगे, लेकिन जैसा कि साल 2022–23 के बिहार जाति सर्वेक्षण से जाहिर हुआ, यह तरीका ज्यादा काम का डेटा दे सकता है।

जनगणना में नोट की जाने वाली दूसरी पहचानों कृ भाषा, धर्म और लिंग कृ के उलट, जाति एक अमूर्त और अतार्किक पहचान है जो लोगों की शिनाख्त उनकी जैविक, शारीरिक या घोषित विशेषताओं से नहीं, बल्कि उस मानी हुई, आदिमयुगीन पहचान से करती है जो जन्म–प्रदत्त और ऊंच–नीच की व्यवस्था में बंधी होती है। यह ऊंच–नीच भी सुस्पष्ट नहीं है, क्योंकि अलग–अलग जातियों के सामाजिक दर्जे को लेकर लोगों की धारणाएं अक्सर एक–दूसरे के विपरीत होती हैं। सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध भारत के संविधान ने छुआछूत खत्म करके, जाति–आधारित भेदभाव पर रोक लगाकर और एक ऐसे गणतंत्र का वादा करके जहां किसी नागरिक की हैसियत जन्म से तय नहीं होगी, खुद को जाति के विरोध में खड़ा किया। तो फिर जाति की गिनती क्यों की जाए, जब खुद गिनती करने की प्रक्रिया इस अमूर्त पहचान को कठोर या मूर्त बना सकती है? एकमात्र औचित्य यह है कि खुद से मानी हुई या थोपी हुई जातिगत पहचान सामाजिक असमानताएं पैदा करती है, और जाति–आधारित अन्याय को दूर करने वाले कल्याणकारी व सामाजिक न्याय के उपायों से समय के साथ यह उम्मीद करना बनता है कि वे जातिवाद को मजबूत करने के बजाय उसकी वैधता नष्ट करेंगे। कल्याणकारी योजनाओं और सकारात्मक कार्रवाई को ज्यादा सटीक ढंग से लक्षित करने के क्रम में, वास्तविक जातिगत आंकड़े आरक्षण से पहले से लाभान्वित हो रही जातियों व वर्गों के उप–वर्गीकरण और क्रीमीलेयर से जुड़े सवालों पर भी जानकारी उपलब्ध करा सकते हैं। इन मामलों में बेहतर आंकड़े बहुत जरूरी हैं। अगर जाति गिनी जानी है, तो फिर ठीक से गिनी जानी चाहिए। इसे दर्ज करने का अस्पष्ट (ओपन–एंडेड) तरीका वांछित मकसद को पूरा नहीं करेगा।

### बद्रीनाथ धाम में दान प्रबंधन पर सवाल

राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र न्यास में गबन का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि बद्रीनाथ धाम में वैसी ही अनियमितता का प्रकरण सामने आने से मंदिरों में समूची व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। चढ़ावे की राशि में वित्तीय हेराफेरी का जो स्वरूप पिछले दिनों सामने आया है, उससे करोड़ों लोगों की आस्था को ठेस पहुंची है। अब बद्रीनाथ धाम में दान राशि के प्रबंधन में गड़बड़ियों के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार ने जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है।

साथ ही मंदिर समिति के अध्यक्ष कार्यालय में तैनात निजी सहायक को निलंबित कर उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। सवाल है कि जिन कर्मचारियों पर दान राशि को गिनने और जमा करने की जिम्मेदारी है, उन पर निगरानी का सुव्यवस्थित तंत्र अब तक क्यों नहीं बनाया गया। अगर श्रद्धालुओं के भरोसे को ताक पर रखकर पैसों का बेरोक–टोक गबन हो रहा है, तो इसके लिए मंदिर के पूरे प्रशासनिक अमले को जवाबदेह होना चाहिए।

इसमें दोराय नहीं कि दान राशि के प्रबंधन में पारदर्शिता के लिए व्यापक निगरानी तंत्र न होने की वजह से ही अयोध्या के राम मंदिर से लेकर बद्रीनाथ धाम तक वित्तीय अनियमितता के मामले सामने आ रहे हैं। गड़बड़ियां उजागर होने के बाद सरकार की ओर से जांच को लेकर जो गंभीरता दिखाने का प्रयास किया जाता है, अगर वही सतर्कता और कड़ाई पहले दिखाई जाए, तो क्या कोई लोगों की आस्था के साथ इस तरह खिलवाड़ करने की हिम्मत कर पाएगा? इन मामलों से जो चिंता और चुनौती उभरकर सामने आई है, वह मंदिरों की प्रबंधन व्यवस्था पर लोगों के विश्वास को बनाए रखने की है।

दोनों ही जगह कर्मचारियों की नियुक्तियों में पारदर्शिता नहीं बरतने पर भी सवाल उठ रहे हैं। चढ़ावे वाली जगह से लेकर उसकी गिनती वाले स्थान तक अगर सीसीटीवी से कड़ी नजर रखी जाती, तो निश्चित रूप से गड़बड़ियां समय रहते पकड़ में आ सकती थीं। आज सरकार की ओर से जवाबदेही तय करने और पारदर्शिता की जो बातें कही जा रही हैं, अगर इसका पहले से अनुपालन किया गया होता, तो जाहिर है कि हेराफेरी की कोई गुंजाइश नहीं रहती।

# ठंडे पानी से मॉनसून में बदलाव और किसान

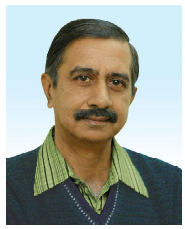



—मुकुल व्यास—

एक नई रिसर्च से पता चलता है कि उत्तरी अटलांटिक महासागर में पानी के एक ठंडे हिस्से ने जेट स्ट्रीम हवाओं के जरिए भारतीय गर्मियों के मॉनसून में बदलाव शुरू कर दिए हैं। इससे करोड़ों लोगों की रोजी–रोटी को खतरा पैदा हो गया है। मॉनसून हमारी जीवन रेखा है। भारत और दक्षिण एशिया के दूसरे हिस्सों में 1 अरब से अधिक लोग खाद्य सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए मॉनसून पर निर्भर हैं। हर साल हम एक अच्छे मॉनसून की प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन वैज्ञानिकों ने पाया है कि पिछले कुछ वर्षों से भारतीय मॉनसून के पैटर्न में परिवर्तन हो रहा है। वैज्ञानिक इस बदलाव के कारणों को जानने की कोशिश कर रहे हैं। अब एक नई रिसर्च से पता चलता है कि उत्तरी अटलांटिक महासागर में पानी के एक ठंडे हिस्से ने जेट स्ट्रीम हवाओं के जरिए भारतीय गर्मियों के मॉनसून में बदलाव शुरू कर दिए हैं। इससे करोड़ों लोगों की रोजी–रोटी को खतरा पैदा हो गया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इन दोनों प्रणालियों के बीच का संबंध एक ऐसे पहले से अज्ञात संबंध को दिखाता है जो दक्षिण एशिया में मौसम के अनुमानों को जानकारी दे सकता है और दूसरी जगहों पर मौसम की घटनाओं पर रोशनी डाल सकता है।

ध्यान रहे कि जेट स्ट्रीम हवाएं पृथ्वी के वायुमंडल में 9 से 16 किलोमीटर की ऊंचाई पर बहने वाली तेज गति वाली, संकरी वायुधाराएं हैं। तापमान के अंतर और पृथ्वी के घूर्णन से संचालित ये हवाएं वायुमंडलीय सीमाओं के रूप में कार्य करती हैं जो वैश्विक मौसम के पैटर्न को आकार देती हैं और वाणिज्यिक विमानन मार्गों को प्रभावित करती हैं। भारतीय गर्मियों का मॉनसून वर्षा का एक पैटर्न है जो जून से सितंबर तक रहता है और यह गर्म उत्तरी हिंद महासागर और भूमध्य रेखा के नीचे ठंडे समुद्री पानी के बीच तापमान के अंतर से चलता है। शुरू में, मॉनसून ने भारत के पश्चिमी तट और उत्तरी भारत के एक बड़े इलाके (गंगा के मैदान) में भारी बारिश शुरू की थी। लेकिन 1999 से यह पैटर्न बहुत बदल गया है। शोधकर्ताओं ने एक नए अध्ययन में पाया कि उत्तर–पश्चिम भारत में अब मॉनसून सीजन में 1999 से पहले के मुकाबले लगभग 25 प्रतिशत ज्यादा बारिश होती है, जबकि गंगा के मैदानी इलाकों में लगभग 4 प्रतिशत कम बारिश होती है।

इस अध्ययन के पहले लेखक और भारतीय विज्ञान संस्थान के जलवायु वैज्ञानिक महेंद्र निम्माकांति ने कहा कि यह परिवर्तन किसानों के लिए खास तौर पर बहुत बुरा है, क्योंकि उनके खेतों की मिट्टी और फसलें बारिश के पुराने पैटर्न के हिसाब से ढल गई हैं। उन्होंने कहा कि भारत काफी हद तक खेती पर निर्भर है। उत्तर–पश्चिम भारत में सामान्य से अधिक बारिश होने पर अचानक बाढ़ आ जाती है और फसलों का नुकसान होता है, क्योंकि इस इलाके की खेती सूखे हालात के हिसाब से ढल गई है। इस बीच, गंगा के मैदानी इलाकों में सूखे के दौर भी आए हैं, जिससे फसलों में भी कमी आई है और किसानों की रोजी–रोटी पर असर पड़ा है।

पिछले अध्ययनों ने भारतीय मॉनसून में परिवर्तन को अटलांटिक मेरिडियनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन (एएमओसी) से जोड़ा था। एएमओसी अटलांटिक में समुद्री धाराओं का एक बड़ा जाल है जो वैश्विक जलवायु को नियमित करता है और उत्तरी गोलार्ध में गर्मी पहुंचाता है। आंकड़े बताते है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से एएमओसी धीमा हो रहा है और उत्तरी अटलांटिक महासागर में पहले के मुकाबले कम गर्मी छोड़ रहा है। निम्माकांति ने कहा कि इन अध्ययनों में यह नहीं बताया गया कि भारतीय मॉनसून कैसे बदल सकता है। इसके पीछे के तंत्र को भी विस्तार से नहीं समझाया गया। उन्होंने कहा, ये अध्ययन आम तौर पर यह समझाते हैं कि अगर एएमओसी कमजोर होता है, तो यह भारतीय मॉनसून को भी कमजोर करता है।

एक बड़ी समस्या यह है कि मौजूदा जलवायु मॉडल भारतीय मॉनसून में हुए बदलावों को नहीं दिखाते हैं, क्योंकि वे उत्तरी अटलांटिक महासागर की सतह के तापमान में बदलाव को भी पूरी तरह से ग्रहण नहीं करते हैं। इन मॉडलों ने ग्रीनलैंड के दक्षिण–पूर्व में एक अत्यंत ठंडे क्षेत्र पर गौर नहीं किया जिसे 'कोल्ड ब्लॉब' के नाम से जाना जाता है, जहां 1901 और 2021 के बीच पानी 1800 के दशक के आखिर की तुलना में ज्यादा ठंडा था। कोल्ड ब्लॉब बताता है कि एएमओसी कमजोर हो रहा है क्योंकि यह उत्तरी अटलांटिक तक पहुंचने वाली गर्मी की मात्रा में कमी की ओर इशारा करता है।

यह पता लगाने के लिए कि भारतीय मानसून कैसे और क्यों बदला है, शोधकर्ताओं ने दर्जनों जलवायु मॉडलों में बारिश का डेटा, समुद्र की सतह के तापमान के रिकॉर्ड और असल जिंदगी के दूसरे अवलोकन डाले। इसने पिछले 27 सालों में देखे गए बदलावों को फिर से दिखाया। इन नतीजों से उत्तरी अटलांटिक में हुए बदलावों और मानसून में बदलावों के बीच संबंध का पता चला। यह जानने के लिए क्या उत्तरी अटलांटिक समुद्र की सतह के तापमान की वजह से भारतीय मानसून अजीब तरह से बर्ताव कर रहा है, टीम ने एक सिमुलेशन (कंप्यूटर पर परिस्थितियों की नकल) में कोल्ड ब्लॉब को जोड़ा और हटाया।

नतीजों से पता चला कि ठंडे ब्लॉब ने उत्तरी अटलांटिक पर एक मजबूत टेम्परेचर ग्रेडिएंट (तापमान में परिवर्तन की दर और दिशा का पैमाना) बनाकर भारतीय मानसून को शिफ्ट कर दिया है, जो बदले में यूरेशिया के ऊपर वायुमंडल में जेट स्ट्रीम हवाओं और प्रेशर सिस्टम पर असर डालता है। खासकर, उत्तरी अटलांटिक के ऊपर जेट स्ट्रीम तेज हो गई है, और पश्चिमी रूस में यूराल पहाड़ों के ऊपर एक 'ब्लॉकिंग' सिस्टम मजबूत हो गया है। इसके परिणामस्वरूप भारत में मौसम सिस्टम बदल गए हैं, जो नमी वाली हवा को देश के उत्तर–पश्चिम की ओर ले जा रहे हैं और उसे दूसरे इलाकों से दूर खींच रहे हैं।

एजीयू एडवांसेज जर्नल में छपे नए नतीजों से मौसम का अनुमान लगाने वालों को भारत और पड़ोसी देशों में मॉनसून के दौरान बहुत ज्यादा बारिश और सूखे जैसी घटनाओं का अनुमान लगाने में मदद मिल सकती है। कुछ शोधकर्ताओं का मानना ध्है कि भारतीय मॉनसून वैश्विक जलवायु में एक निर्णायक बिंदु (टिपिंग प्वाइंट) है, और इन निष्कर्षों से पता चलता है कि यह सिस्टम 1999 में एक अहम सीमा पार कर गया था। तब से कोल्ड ब्लॉब की वजह से जेट स्ट्रीम में लगातार बदलाव हुआ है, जिससे मॉनसून में अचानक बदलाव आए हैं। अभी यह साफ नहीं है कि तेजी से बदलती जलवायु में भारतीय मॉनसून कैसे बदलेगा, क्योंकि जलवायु मॉडल उत्तर अटलांटिक के बारे में अलग–अलग अनुमान लगाते हैं, और दुनिया के बदलने के साथ–साथ दूसरे कारण भी असर डाल सकते हैं।

–लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

# चढ़ावा चोरी: संघ साधना पर वज्राघात

—डॉ० मत्स्येन्द्र प्रभाकर—

अयोध्या स्थित राम मन्दिर न केवल ऐतिहासिक बल्कि भारत की सनातन परम्परा एवं संस्कृति का अद्वितीय प्रतीक है। लगभग पाँच शताब्दी के उपरान्त पुनर्निर्माण से इसकी महत्ता और बढ़ी है। इस मन्दिर में होने वाले चढ़ावे में चोरी की घटना जैसे, और जिस भी परिस्थिति में हुई वह अत्यन्त चिन्तनीय, दुःखद, निन्दनीय तथा शर्मनाक भी है। मन्दिर का प्रबन्धन देश की सरकार के द्वारा गठित और समर्थित ट्रस्ट देखता है। इसमें उन लोगों का वर्चस्व है जो उस संगठन से सम्बद्ध हैं जो देश का सबसे पुराना ही नहीं, दुनिया का विशाल संगठन है। यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नाम से एक शताब्दी से कार्यरत और ख्यात है। ऐसी दशा में चोरी की घटना संघ की साधना के साथ केन्द्र सरकार की प्रसिद्धि पर भी आघात है। चढ़ावा चोरी के मामले में संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले जी के घटना के प्रकाश में आने के २५वें दिन 4 जुलाई को आये बयान ने इसकी गम्भीरता को और विकराल कर दिया है। यह निश्चित ही एक बेहद नपा–तुला और सन्तुलित बयान है किन्तु इससे अधिक कुछ कहा भी क्या जा सकता है।

अयोध्या का राम मन्दिर आज केवल धार्मिक स्मारक नहीं रहाय वह राष्ट्रीय पहचान, सांस्कृतिक प्रतीक और राजनीतिक उपलब्धि का समेकित प्रतीक बन चुका है। ऐसे संवेदनशील स्थल पर परिसर से चढ़ावे.सामान की चोरी जैसी घटना न सिर्फ अपराध की श्रेणी में आती है बल्कि सार्वजनिक विश्वास, संस्थागत जवाबदेही और उन संस्थाओं की नैतिक साख पर भी प्रश्न उठाती है जिनके नाम और प्रतीक.मूल्य से यह परियोजना जुड़ी है। जब प्रबन्धन ढाँचे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े व्यक्तियों और केन्द्र के निकट सहयोग का सन्दर्भ हो, तब यह मामला आबादी के मन में "साधना" और "प्रबन्धन" के बीच खिंचाव की बहस भी खड़ी कर देता है।

मीडिया कवरेज और प्रारम्भिक सूचनाओं के अनुसार मन्दिर परिसर में रखे कुछ चढ़ावे गायब होने की सूचना आयी। सार्वजनिक बहस में चम्पत राय बंसल व अनिल मिश्र जैसे नाम बार.बार आये हैंय ये नाम उस संरचना से जुड़े रहे हैं जो मन्दिर के प्रशासन और समन्वय में भूमिका निभाती है। तथ्यों की सटीक पुष्टि के लिए मीडिया कवरेज में राम मन्दिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के आधिकारिक बयान, एफआईआर, जिन तारीखघों की रिपोर्ट प्रस्तुत हुई और आन्तरिकध्बाहरी ऑडिट रिपोर्ट.नोट्स का उद्धरण जरूरी है। बिना प्रमाण के अनुमान प्रसारित करना विवेचना की विश्वसनीयता और सामाजिक शान्तिकृदोनों के लिए हानिकारक होगा। दुर्भाग्य से यह बहुतायत में हो रहा है। इसलिए लेख का तात्पर्य यह हैरू आरोपों की निष्पक्ष, फॉरेंसिक तथा समयबद्ध जाँच आवश्यक है, और उसी के आधार पर संस्थागत व व्यक्तिगत जवाबदेही निर्धारित होनी चाहिए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने दशकों में अपनी एक विशिष्ट सार्वजनिक छवि गढ़ी हैकृ संगठित अनुशासन, सेवा.भाव और नैतिक चरित्र पर जोर। यही छवि संघ के समर्थकों और उससे जुड़े संगठनों के लिए उम्मीदों का मानदण्ड भी बनती है। जब संघ. समर्थित व्यक्ति या संगठन राम मन्दिर जैसी परियोजनाओं के सञ्चालन में प्रमुख होते हैं, तब उनसे वही अनुशासन और नैतिकता की अपेक्षा स्वतः जुड़ जाती है। यदि प्रबन्धन स्तर पर लेखा.जोखा, सुरक्षा और पारदर्शिता की कमियाँ दिखाई देंगी तो यह केवल व्यक्तिगत त्रुटि नहीं रहेगीकृयह सार्वजनिक रूप से संघ की साधना.प्रतिष्ठा पर भी प्रभाव डालेगी। इसलिए संघ का स्वाभाविक दायित्व बनता है कि वह जाँच को सुधार की प्रक्रिया में सक्रिय, पारदर्शी और जवाबदेह भूमिका निभाये, बजाय केवल प्रतिरक्षा.कथन के।

इस तरह की घटनाएँ प्रायः कई त्रुटियों के सम्मिलित परिणाम होती हैं। पहला, चढ़ावे और दान. लेनदेन का पारदर्शी रजिस्टर न होनाकृ यदि दान के डिजिटल रिकॉर्ड, फ्त.आधारित रसीदें और सार्वजनिक सारांश उपलब्ध होते तो विचलन समय रहते पकड़ा जा सकता था। दूसरा, सुरक्षा.इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमजोरीकृसीसीटीवी कवरेज की अज्ञानता, सीमित प्रवेश.नियंत्रण और असुरक्षित स्टोरेज जैसी खामियाँ जोखिम बढ़ाती हैं। तीसरा, मानव संसाधन नीतिकृकठोर बैकग्राउण्ड चेक, नियमित रोटेशन और प्रशिक्षण का अभाव केन्द्रीकृत पहुँच को जन्म देता है। चौथा, राजनीतिक.संस्थागत निकटताकृजब प्रबन्धन और केन्द्र के बीच घनिष्ठ सम्बन्ध रहते हैं तो जाँच और जवाबदेही पर दबाव बन सकता है जिससे सतत पारदर्शिता बाधित हो सकती है।

पहला और अनिवार्य कदम है स्वतंत्र, फॉरेंसिक सक्षम जाँच का गठनकृस्थानीय पुलिस की पहल के साथ एक न्यायिक मान्यता प्राप्त स्वतंत्र आयोग जो फॉरेंसिक, सीसीटीवी डेटा, इन्वेंटरी लॉग और वित्तीय रिकॉर्ड की सर्वांगीण जाँच करे। जाँच का दायरा, समय सीमा और सार्वजनिक रिपोर्टिंग नीति स्पष्ट होनी चाहिए। दूसरा, आरोपों में जिन नामों का उल्लेख हुआ हैकृचम्पत राय बंसल व अनिल मिश्रकृउनकी जिम्मेदारियों की तात्कालिक समीक्षा और आवश्यकता होने पर अस्थायी निलम्बन लागू होना चाहिए ताकि जाँच निष्पक्ष हो। तीसरा, ट्रस्ट का तात्कालिक आन्तरिक ऑडिट कराया जाए और ऑडिट सारांश सार्वजनिक किया जाएकृयह जनता को विश्वास दिलाने का पहला कदम होगा।

यदि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सचमुच अपनी साधना.वाणी का प्रतिपादक है तो उसे अब सक्रिय नेतृत्व दिखाना होगा। इसका अर्थ केवल दावे या सार्वजनिक सुरक्षा के बयान नहीं, बल्कि संस्थागत सुधारों को अपनाना और समर्थन देना हैकृ उदाहरणतः निगरानी बोर्ड के गठन का समर्थन, पारदर्शिता मानकों का प्रचार, और नैतिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का परिचालन। संघ यदि सकारात्मक, जवाबदेह और सुधारक भूमिका निभाएगा तो उसकी सार्वजनिक छवि को मजबूती मिल सकती है। नकारात्मक या रक्षात्मक रुख स्थिति को और जटिल करेगा।

केन्द्र सरकार तथा अन्य प्रमुख दलों को मामले को दलगत हथियार बनने से रोकना चाहिए। समाजवादी पार्टी इसे चुनाव का मुद्दा न बनाये। राम मंदिर राष्ट्रीय प्रतिष्ठा व सांस्कृतिक अस्मिता का विषय है। भाजपा तथा अन्य नेताओं की और विशेष जिम्मेदारी है कि वे जाँच की स्वतंत्रता का समर्थन करें, भावनात्मक बयानबाजी से बचें और संस्थागत प्रक्रिया को प्राथमिकता दें। राष्ट्रीय प्रतिष्ठा तभी सुरक्षित रहेगी जब आरोपों का त्वरित, निष्पक्ष और पारदर्शी निपटारा हो और साथ ही सुधारात्मक प्रक्रिया सार्वजनिक रूप से दिखाई दे।

पत्रकारीय विवेचना के लिए ट्रस्ट के आधिकारिक बयान, एफआईआर, जाँच.रिपोर्ट और स्वतंत्र ऑडिट जैसी दस्तावेजी स्रोतों का उद्धरण अनिवार्य है। लेख में जब भी किसी व्यक्ति या, स्थिति का उल्लेख होकृचम्पत राय बंसल, अनिल मिश्र या संघ .सम्बन्धकृउस सन्दर्भ के मूल स्रोतों का उल्लेख पाठक.या श्रोता विश्वास के लिए जरूरी है। अटकलों पर आधारित विवेचना न केवल पत्रकारिता के मानदण्डों के खिलाफ है बल्कि सामाजिक तनाव को बढ़ाने का भी माध्यम बन सकती है।

निष्कर्षत–चढ़ावा चोरी की घटना एक चेतावनी है– जब धार्मिक संस्थाएँ राष्ट्रीय प्रतीक बन जाती हैं तो उनकी जवाबदेही केवल व्यवस्थागत नहीं, राष्ट्रीय विश्वास और नैतिकता का विषय बन जाती है। इस आघात का सबसे बड़ा उपचार त्वरित और निष्पक्ष जाँच के साथ दीर्घकालिक संस्थागत सुधार हैं। डिजिटल पारदर्शिता, स्वतंत्र निगरानी, कड़ा सुरक्षा तंत्र और मानव.संसाधन में नैतिक प्रशिक्षण। सङ्घ और केन्द्र दोनों का दायित्व है कि वे न केवल दोषियों की पहचान और दण्ड सुनिश्चित करें, बल्कि ऐसी व्यवस्थाएँ बनाएँ जिनसे पुनः विश्वास का निर्माण सम्भव हो। तभी यह 'साधना' समाज में नये अर्थ के साथ टिकेगी और राष्ट्र की प्रतिष्ठा अक्षुण्ण रहेगी।

## तेजी से अराजकता की ओर बढ़ रहा देश

—मंगत राम पासला—

देश तेजी से अराजकता की ओर बढ़ रहा है। अराजकता, बिना किसी शक के सरकारों के असंतोषजनक प्रदर्शन से उपजे लोगों के स्वतस्फूर्त गुस्से में से पैदा होती है। परंतु लुटेरी शासक जमातें और इनके मोहरे बने प्रतिक्रियावादी तत्व भी इसे अक्सर हवा देते हैं। सांप्रदायिक नफरत, कट्टरवाद, अविश्वास और हिंसा का जिस किस्म का तांडव आज नाचा जा रहा है, यह आजादी प्राप्ति के बाद पहले कभी नहीं देखा गया। 1975 में, तब की कांग्रेसी सरकार ने सत्ता पर कब्जा बनाए रखने की एकाधिकारवादी इच्छा के तहत देशवासियों पर आंतरिक आपातकाल थोप दिया था। लेकिन विभिन्न धर्मों, राष्ट्रीयताओं और जातियों से संबंधित अलग–अलग प्रांतों में रहने वाले देशवासी आपातकाल घोषित होने के कुछ समय बाद ही इस संविधान विरोधी कृत्य के खिलाफ एकजुट होने शुरू हो गए थे। 1977 में हुए लोकसभा चुनावों के दौरान भारतीय आवाम की लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता के कारण कांग्रेस पार्टी को करारी हार का मुंह देखना पड़ा था। तानाशाही का अंत हो गया था और संवैधानिक तथा लोकतांत्रिक मूल्य फिर से बहाल हो गए थे।

परंतु साल 2014 के बाद से लगातार चली आ रही भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र की मोदी सरकार ने देश के संविधान की मूल प्रस्थापनाओं और लोकतांत्रिक मर्यादाओं की योजनाबद्ध धज्जियां उड़ाई हैं। आर.एस.एस. के दिशा–निर्देशों के तहत राज–काज चला रही मोदी सरकार का यह कारनामा, मूल रूप में 1975 में घोषित आपातकाल से कहीं ज्यादा खतरनाक है। न्यायपालिका, चुनाव आयोग, ई.डी., सी.बी.आई. आदि संवैधानिक और स्वायत्त संस्थान संविधान–कानून के मार्गदर्शन में अपने कर्त्तव्य का पालन नहीं कर रहे। बल्कि मोदी सरकार के संरक्षण में आर.एस.एस. की विचारधारा के अनुसार कर्त्तव्य का पालन कर रहे हैं। उस पर सितम यह कि सभी प्रतिष्ठित पदों पर आर.एस.एस. से जुड़े व्यक्ति बिठा दिए गए हैं। मीडिया, विशेष रूप से इलैक्ट्रॉनिक मीडिया का एक बड़ा हिस्सा, मोदी सरकार और संघ–भाजपा की संकीर्ण सोच का प्रवक्ता बन गया है।

धार्मिक अल्पसंख्यकों, महिलाओं, बहुजन समाज के खिलाफ हत्याओं सहित हर प्रकार के जुल्म ढाए जा रहे हैं। राज्य और प्रशासनिक तंत्र द्वारा प्रायोजित भीड़ें इन पर बेरोक–टोक ढ़हशतनाक हमले करती हैं। इन अमानवीय कृत्यों का तर्कसंगत विरोध करने वाले प्रगतिशील सोच के धारकों को 'देशद्रोही', 'शहरी नक्सली', 'लव जेहाद के समर्थक', 'टुकड़े–टुकड़े गैंग', 'पाकिस्तान के एजेंट', 'विदेशी ताकतों के मोहरे' आदि कहकर खूब बदनाम किया जा रहा है। ऐसे अनगिनत बुद्धिजीवी और आम लोग बिना कोई मुकदमा चलाए लंबे समय से जेलों में बंद हैं। भारत के 'मुख्य चुनाव आयुक्त' के एकतरफा और पक्षपातपूर्ण रवैये के कारण रोज नए कारनामे हो रहे हैं। ई.सी.आई. मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एस.आई.आर.) की आड़ में अनावश्यक और असंभव शर्तें थोपकर करोड़ों भारतीय नागरिकों को वोट के अधिकार से वंचित कर रहा है। ये असंवैधानिक कार्रवाइयां लोकतांत्रिक ढांचे को पंगु बना रही हैं।

कॉर्पोरेट घरानों, काले कारोबारियों और अनैतिक तरीकों से अमीर बनने वाले अन्य 'भद्र पुरुषों' ने भाजपा के लिए खजानों के दरवाजे पूरी तरह से खोल दिए हैं। चुनावों से संबंधित 'आचार संहिता' का महत्व सत्ताधारी पार्टी के लिए अब कागज पर लिखी महज एक इबारत से ज्यादा कुछ नहीं रहा। राजनीतिक क्षेत्र में जिस पूंजीवाद ने जागीरदारी ढांचे के दौरान प्रचलित राजशाही के मुकाबले 'लोकतंत्र' का संकल्प पेश किया था, वह संकल्प अब अर्थहीन होकर रह गया है। वैसे तो सारी दुनिया में ही, परंतु भारत में विशेष रूप से, शासक पक्ष 'लोकतंत्र' का खात्मा करके तानाशाही थोपने की राह पर चल पड़ा है।

## कुख्यात बाइक चोर गिरफ्तार, चोरी की दो बाइकें बरामद

संवाददाता—महराजगंज। कुख्यात बाइक चोर गुरुवार को नौतनवा पुलिस के हत्थे उस वक्त चढ़ गया, जब वह एक चोरी की बाइक लेकर नेपाल की सीमा में भागने की फिराक में था। पकड़े गए आरोपी के पास से चोरी की दूसरी बाइक भी बरामद हुई है, जिसे वह पास में ही एक झाड़ी में छिपाकर रखा था। अन्तर्जनपदीय अपराधी पिछले 10 वर्षों से अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त है। उसके विरुद्ध गोरखपुर एवं महराजगंज जनपद के आठ थानों में 41 मुकदमे पंजीकृत हैं। जीआरपी गोरखपुर में भी चोरी का मामला आरोपी के विरुद्ध दर्ज है। पुलिस ने पूछताछ के दौरान उसके पास से नगद भी बरामद किया है, जो चोरी की बाइक नेपाल में बेंचकर रखा था। आरोपी के विरुद्ध दर्ज मुकदमे में पुलिस ने उसे जेल भेज दिया है।

पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र के एसएसवी रोड डंडा नदी पुल के पास से गुरुवार को शातिर बाइक चोर बलिराम गुप्ता उर्फ डॉक्टर निवासी सोनरा थाना कोतवाली—महराजगंज को गिरफ्तार कर चोरी की दो बाइक और एक चोरी की बाइक बेंचने से बचा पैसा बरामद किया। नेपाल सीमा से गिरफ्तार आरोपी ने बड़ी संख्या में भारतीय सीमा से बाइक चोरी कर नेपाल में बेचने की बात स्वीकार की है। आरोपी से पूछताछ के बाद अब उसके गैंग के अन्य सदस्यों की भी तलाश में पुलिस जुट गई है। पुलिस टीम को उम्मीद है कि और भी चोरी के वाहन बरामद हो सकते हैं।

2016 से ही दर्ज होने लगे थे केस। 2016 से ही उसके विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज होने शुरू हो गए थे। जनपद के नौतनवा, फरेंदा, पुरंदरपुर, ठूठीबारी, निचलौल, पनियरा एवं सदर कोतवाली के अलावा गोरखपुर के गुलरिहा एवं जीआरपी गोरखपुर में कुल 41 मामले पंजीकृत किए जा चुके हैं। यह डुप्लीकेट चाबी बनाकर भारतीय सीमा के बाजारों से बाइक चोरी कर सीधे नेपाल में ले जाकर औने—पौने दामों में बेच देता था।

पांच जून को चोरी की बाइक बरामद। पुलिस ने चोरी की जिस बाइक को बरामद किया है, वह बीते 5 जून को रतनपुर बाजार से चोरी हुई थी। राजू राय निवासी जिगना थाना परसा मलिक की बाइक रतनपुर बाजार से चोरी गई थी। थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह का कहना है कि बाइक चोरी की शिकायत के बाद से ही पुलिस टीम आरोपी की तलाश में थी। नेपाल सीमा से आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से दो बाइक चोरी की बरामद हुई है। उसके अन्य सदस्यों की जानकारी हासिल की जा रही है।

## हाथ—पैर बंधा युवक अचेत अवस्था में मिला,, मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था

संवाददाता—कुशीनगर। जिले के तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र में राजापाकड़ चौराहे पर पुलिस बूथ के पास झाड़ियों में गुरुवार सुबह एक युवक हाथ—पैर बंधे और अचेत अवस्था में मिला। उसके मुंह में कपड़ा भी ठूंसा हुआ था। युवक की पहचान स्थानीय निवासी गुड्डू शर्मा के रूप में हुई है, जो कथित तौर पर एक मीडियाकर्मी हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि युवक के हाथ—पैर बंधे थे, मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था और उसके शरीर व गले तक रस्सी लपेटी गई थी। अचेत अवस्था में मिले युवक को देखकर लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। इस दौरान कुछ स्थानीय लोगों ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर दिया, जो तेजी से वायरल हो रहा है। घटनास्थल पुलिस बूथ से महज 50 मीटर की दूरी पर होने के कारण पुलिस गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस बूथ के इतनी करीब युवक को इस हालत में कौन बांधकर फेंक गया और पुलिस को इसकी जानकारी क्यों नहीं हुई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, गुड्डू शर्मा का तहसील तमकुहीराज के एसडीएम न्यायालय में एक जमीनी विवाद विचाराधीन है। बताया जा रहा है कि इस विवाद के चलते विपक्षियों से उनकी काफी समय से अनबन चल रही थी।

तुर्कपट्टी थानाध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया कि युवक की पहचान गुड्डू शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस घटना के कारणों की गहन जांच कर रही है। युवक को प्राथमिक उपचार के लिए स्थानीय पीएचसी ले जाया गया, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की है। उन्होंने मामले को संदिग्ध बताते हुए कहा कि प्रारंभिक छानबीन में प्रायोजित प्रतीत हो रहा है।

## शारीरिक संबंध बनाने से इनकार पर घर में लगाई आग

संवाददाता—देवरिया। मईल थाना क्षेत्र के करौता गांव में एक युवती से शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करने पर उसके घर में पेट्रोल डालकर आग लगाने का आरोप सामने आया है। पीड़ित परिवार ने गुरुवार को थाने में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को दी गई तहरीर में पीड़ित परिवार ने बताया कि गांव का ही एक युवक उनकी 20 वर्षीय बेटी पर लंबे समय से गलत नीयत रखता था। आरोप है कि वह युवती पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बना रहा था। जब युवती ने इसका विरोध किया और परिवार को जानकारी देने की बात कही, तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित के अनुसार, 7 जुलाई की रात करीब 12 बजे आरोपी उनके घर पहुंचा। उसने घर में पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। देखते ही देखते पूरा मकान आग की चपेट में आ गया। इस अग्निकांड में घर में रखा गेहूं, चावल, कपड़े, सिलाई मशीन, फर्नीचर, सोने—चांदी के आभूषण, लगभग 10 हजार रुपये नकद और बच्चों की कॉपी—किताबें समेत करीब सात से आठ लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया। परिवार ने किसी तरह अपनी जान बचाई। मईल पुलिस ने तहरीर प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

## पहली ही बारिश में फिर टूटा महाव नाले का तटबंध, 50 एकड़ फसल जलमग्न

संवाददाता—महराजगंज। नौतनवा विकास खंड के सीमावर्ती क्षेत्र से होकर बहने वाली पहाड़ी नाले महाव का पूर्वी तटबंध (किनारा) पहली ही मूसलाधार बारिश का दबाव नहीं झेल सका। गुरुवार की अपराह्न करीब सवा दो बजे बरगदवा गांव के सामने अचानक 15 फिट टूट गया। तटबंध टूटने से नाले का उफनता पानी तेजी से फसलों में समाने लगा, जिससे देखते ही देखते 50 एकड़ से अधिक धान की फसल जलमग्न हो गई। इलाके में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, जिससे क्षेत्रीय किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

बुधवार की शाम से ही पहाड़ी नाले के जलस्तर में भारी वृद्धि देख ग्रामीण व किसान सहमे हुए थे। गुरुवार सुबह से शुरू हुई बारिश के बाद नाले का दबाव बढ़ गया। दोपहर होते—होते तटबंध टूट गया। इस कटान से महाव नाले की बाढ़ व सिल्ट से छोटाई गुप्ता, कमलेश यादव, रवींद्र यादव, राममिलन यादव, सुदामा यादव, समसुल हुदा, रामचंद्र यादव, पृथ्वी यादव व चीनक सहित दर्जनों किसानों की हाल ही में रोपी गई धान की फसल पूरी तरह पानी में डूब चुकी है।

बीते वर्ष अगस्त माह में भी देवधड़ी गांव के बरखपुरा टोला के सामने महाव का पूर्वी तटबंध टूट गया था। ग्रामीणों का आरोप है कि महाव नाले का किनारा पिछले 15 वर्षों में अलग—अलग स्थानों पर 50 से अधिक बार टूट चुका है। हर साल बाढ़ से बचाव और किनारा की मरम्मत के नाम पर सिंचाई विभाग करोड़ों रुपये पानी की तरह बहा देता है, लेकिन मानसून की पहली बारिश ही इन दावों की पोल खोल देती है। ग्रामीणों ने तीखी नाराजगी जताते हुए कहा कि तटबंध टूटने के करीब डेढ़ घंटे बाद तक भी कोई जिम्मेदार अधिकारी या जनप्रतिनिधि मौके पर सुध लेने नहीं पहुंचा था।

## परतावल—पनियरा मार्ग पर लगा गंदा पानी, फूटा लोगों का गुस्सा

संवाददाता—महराजगंज। परतावल—पनियरा मार्ग पर मॉडर्न स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के पास सड़क पर बह रहे नाली के गंदे पानी से परेशान लोगों का गुस्सा गुरुवार को फूट पड़ा। जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि डॉ. जय गोविंद सिंह के नेतृत्व में लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना रहा कि लंबे समय से सड़क पर गंदा पानी बह रहा है, जिससे दुर्गंध फैल रही है और संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सड़क पर लगातार बह रहे गंदे पानी के कारण राहगीरों को रोजाना कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वाहनों के गुजरने पर गंदा पानी लोगों पर उछल जाता है, जिससे उनके कपड़े खराब हो जाते हैं।

जलभराव के कारण सड़क पर फिसलन भी बनी रहती है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। सड़क किनारे स्थित मॉडर्न स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के छात्र—छात्राओं को भी इस समस्या से दो—चार होना पड़ रहा है। विद्यालय आने—जाने वाले बच्चों को गंदे पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ता है। आसपास फैली गंदगी और दुर्गंध से अभिभावकों में भी चिंता बढ़ गई है। स्कूल के प्रबंधक आफताब आलम ने बताया कि इस समस्या की शिकायत कई बार संबंधित अधिकारियों से की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने जल्द से जल्द नाली की सफाई और जलनिकासी की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की। विरोध प्रदर्शन में मुन्ना, इस्तेकबाल, रामानंद प्रजापति, हदीश, फिरोज खान, सद्दाम हुसैन, एजाज, विनोद, नितिन कुमार, कोइल सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

## राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम है भाजपा —विनोद राय

संवाददाता—महराजगंज। भाजपा के नवनिर्वाचित क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय ने कहा कि भाजपा एक राजनीतिक दल ही नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आगामी चुनावों एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों में पूरे उत्साह, ऊर्जा और समर्पण के साथ जुटने का आह्वान किया। उन्होंने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन—जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। वे गुरुवार को क्षेत्रीय अध्यक्ष का दायित्व संभालने के बाद पहली बार महराजगंज पहुंचे थे। जिले की सीमा कतरारी से लेकर महराजगंज पार्टी कार्यालय तक उनका जोरदार स्वागत किया गया। जिले की सीमा कतरारी में भाजपा जिलाध्यक्ष संजय पांडेय एवं पनियरा विधायक ज्ञानेंद्र सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने क्षेत्रीय अध्यक्ष का स्वागत किया। इसके बाद परतावल में पूर्व ब्लॉक प्रमुख निर्मय सिंह, सेमरा टोल प्लाजा पर सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया व नगर के सक्सेना तिराहे पर नगर अध्यक्ष आकाश श्रीवास्तव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से उनका अभिनंदन किया। पार्टी कार्यालय पहुंचने पर भी क्षेत्रीय अध्यक्ष का जोरदार स्वागत हुआ। पार्टी कार्यालय पर कार्यकर्ताओं को आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय ने कहा कि यह जिला प्रदेश के मुखिया पंकज चौधरी का जनपद है। हर कार्य में कार्यकर्ता की बड़ी जिम्मेदारी है। प्रदेश अध्यक्ष का मस्तक ऊंचा रहे। जिलाध्यक्ष संजय पांडेय ने कहा कि क्षेत्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा के साथ संगठन का कार्य करेंगे। जनपद में पांचों विधान सभा में कमल खिलेगा।

इस अवसर पर जिला प्रभारी राम जियावन मौर्य, क्षेत्रीय महामंत्री सुनील गुप्ता, विधायक ज्ञानेंद्र सिंह, जय मंगल कन्नौजिया, पूर्व विधायक बजरंग बहादुर सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष समीर त्रिपाठी, परदेसी रविदास, ओम प्रकाश पटेल, प्रमुख संघ अध्यक्ष वेद शुक्ला, प्रमुख प्रतिनिधि ओम प्रकाश जायसवाल, आनंद शंकर वर्मा, विवेक गुप्ता, उदय राज यादव, राम हरख गुप्ता, चेयरमैन संतोष जायसवाल, गिरिजेश जायसवाल, सतीश मद्धेशिया, पूर्व चेयरमैन अरुण जायसवाल, कृष्ण गोपाल जायसवाल ने भी संबोधित कर स्वागत किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष संतोष सिंह, अजय श्रीवास्तव, प्रदीप उपाध्याय, शैलेश पांडेय, फरीदा ईरम, सरोज पांडेय, जिला महामंत्री राजेश यादव, मधुर सिंह, जिला मंत्री बैजनाथ पटेल, ठाकुर रौनियार, मानवेंद्र सिंह, मानवेंद्र द्विवेदी, कुर्सेद अंसारी, डॉ. आशीष मिश्रा, जिला कोषाध्यक्ष आकाश गुप्ता, महिला मोर्चा की सुमित्रा भारती, कमलेश जायसवाल, वंदना तिवारी, डॉ. सूरज सिंह, पूर्व जिला उपाध्यक्ष अरुणेश गुप्ता, पूर्व जिला मंत्री आशुतोष शुक्ला सहित तमाम भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे।

## सुसाइड की नीयत से पेड़ पर चढ़ी, उतारने के लिए क्रेन बुलानी पड़ी, नेपाली लड़की का हाईवोल्टेज ड्रामा

संवाददाता—महराजगंज। चौक में एक नेपाली महिला आम के पेड़ पर चढ़ गई और करीब आधे घंटे तक नीचे उतरने से इनकार करती रही। पुलिस ने क्रेन की मदद से सुरक्षित रेस्क्यू किया। पूछताछ में महिला ने खुद को विराटनगर, नेपाल का निवासी बताया। कार्रवाई के बाद उसे नेपाली पुलिस को सौंपा जाएगा। जिले के नगर पंचायत चौक कार्यालय के बाहर गुरुवार दोपहर उस समय अफरा—तफरी मच गई, जब एक नेपाली महिला सड़क किनारे स्थित आम के पेड़ पर चढ़ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महिला कथित तौर पर आत्महत्या की नीयत से पेड़ पर चढ़ी थी और काफी देर तक नीचे उतरने से इनकार करती रही। करीब आधे घंटे तक चले हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद चौक पुलिस और नगर पंचायत प्रशासन ने सूझबूझ और धैर्य का परिचय देते हुए क्रेन की मदद से महिला को सकुशल नीचे उतार लिया।

घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। राहगीरों और स्थानीय लोगों की भीड़ के कारण कुछ देर के लिए वहां अफरा—तफरी का माहौल बन गया। लोगों ने महिला को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह किसी की बात सुनने को तैयार नहीं थी। सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष मनीष पटेल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने महिला से लगातार बातचीत कर उसका विश्वास जीतने की कोशिश की। काफी देर तक समझाने—बुझाने के बाद भी जब वह नीचे उतरने के लिए तैयार नहीं हुई तो नगर पंचायत की छोटी क्रेन मंगाई गई। इसके बाद सावधानीपूर्वक रेस्क्यू अभियान चलाकर महिला को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि महिला आर्केस्ट्रा में काम करती थी, हालांकि उसकी मानसिक स्थिति सामान्य नहीं लग रही थी। पुलिस ने महिला को थाने ले जाकर पहले भोजन कराया और उसकी हालत सामान्य करने का प्रयास किया। पूछताछ में महिला ने अपना संबंध नेपाल के विराटनगर से बताया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वह ठूठीबारी सीमा से भारत में प्रवेश कर भटकते—भटकते चौक पहुंच गई थी। मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण वह अपने परिजनों के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं दे सकी।

थानाध्यक्ष मनीष पटेल ने बताया कि महिला की सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकता है। उसकी देखभाल की जा रही है और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि संबंधित एजेंसियों और नेपाली अधिकारियों से संपर्क किया जा रहा है। सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद महिला को ठूठीबारी सीमा के पास महेशपुर में नेपाली पुलिस के सुपुर्द किया जाएगा, ताकि उसे सुरक्षित उसके परिजनों तक पहुंचाया जा सके। पुलिस महिला के पेड़ पर चढ़ने के कारणों की भी जांच कर रही है।

## सामूहिक विवाह में 142 जोड़े शादी के बंधन में बंधे

संवाददाता—महराजगंज। निचलौल ब्लाक के ग्राम सभा जहदा स्थित बापू शताब्दी इंटरमीडिएट कालेज परिसर गुरुवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का साक्षी बना। वैदिक मंत्रोच्चार, बौद्ध रीति—रिवाज और मुस्लिम परंपरा के बीच 142 जोड़े एक—दूसरे के जीवनसाथी बने। समारोह में नवदंपतियों और उनके परिजनों की मौजूदगी से पूरा परिसर उत्सव में बदल गया। मुख्य अतिथि सिसवा विधायक प्रेम सागर पटेल ने नवविवाहित जोड़ों को विवाह प्रमाणपत्र और आम का पौधा भेंट कर सुखद वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में कुल 187 जोड़ों का पंजीकरण हुआ था। इनमें 142 जोड़े विवाह के लिए पहुंचे। इनमें 65 बौद्ध, 10 मुस्लिम और 67 हिन्दू जोड़ों का विवाह उनकी धार्मिक परंपराओं के अनुसार संपन्न कराया गया। विवाह की सभी रस्में प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी में शांतिपूर्ण ढंग से पूरी हुईं। इस दौरन मुख्य अतिथि विधायक प्रेम सागर पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इसका लाभ सभी पात्रों को उठाना चाहिए। उन्होंने नवदंपतियों से अपील की कि जिस प्रकार वे अपने नए परिवार की जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे, उसी प्रकार उन्हें मेंट किए गए आम के पौधे की भी परिवार के सदस्य की तरह देखभाल करें, ताकि यह पौधा आने वाले वर्षों में पर्यावरण संरक्षण और खुशहाली का प्रतीक बन सके।

मुख्य विकास अधिकारी महेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना पर सरकार कुल एक लाख रुपये खर्च करती है। इसमें विवाह के बाद लड़की के खाते में 64 हजार रुपये भेजा जाता है। साथ ही विवाह के दिन उपहार भी दिया जाता है। इस दौरान उपजिलाधिकारी निचलौल सिद्धार्थ गुप्ता, परियोजना निदेशक रामदरश चौधरी, मनोज सिंह, रितेश पांडे, अरुण कुमार सिंह, अजय सिंह, चंद्र प्रकाश गुप्ता, राजेंद्र प्रसाद, शैलेंद्र नाथ, रमेश चौरसिया, कलीमुल्लाह अंसारी सहित कई अधिकारी, जनप्रतिनिधि, शिक्षक, कर्मचारी व अन्य लोग मौजूद रहे।

## राम मंदिर मामले में सरकार बड़े लोगों को बचा रही —राम आसरे

संवाददाता—बहराइच। समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा गुरुवार को जनपद बहराइच पहुंचे। यहां उन्होंने पीडीए संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लिया और बातचीत की। इस दौरान उन्होंने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। विश्वकर्मा ने आरोप लगाया कि राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सरकार बड़े लोगों को बचा रही है और केवल छोटे कर्मचारियों को फंसाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार छोटे—मोटे सफाई कर्मचारियों और ड्राइवरों को गिरफ्तार कर इस मामले को दबाना चाहती है। उन्होंने मौजूदा सरकार में महंगाई और बेरोजगारी को चरम पर बताया। पूर्व मंत्री ने कहा कि किसान और नौजवान सभी परेशान हैं। उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनावों में जनता भाजपा को नकार कर समाजवादी पार्टी की सरकार बनाएगी।

राम आसरे विश्वकर्मा ने कहा कि वर्तमान में हो रही हत्याओं में 60 से 80 प्रतिशत पीडीए वर्ग के लोग शिकार हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन हत्याओं को अंजाम देने वाले भारतीय जनता पार्टी के समर्थित लोग हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि योगीराज में हुए 70 प्रतिशत फर्जी एनकाउंटर पीडीए वर्ग से संबंधित थे। बुलडोजर की कार्रवाई पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार में लोगों को डराने और धमकाने के लिए जितनी भी कार्रवाई हुई है, उनमें से 24 में से 22 कार्रवाईयां केवल पीडीए वर्ग के लोगों, जैसे पिछड़े, दलित, मुसलमान, यादव और गुर्जरों के खिलाफ की गई हैं। उन्होंने कहा कि ये लोग समाजवादी पार्टी और विपक्ष से संबंधित हैं। इस कार्यक्रम में पूर्व मंत्री यासर शाह, जिलाध्यक्ष रामहर्ष यादव, नंदेश्वर यादव, जफर उल्ला बंटी और अब्दुल मन्नान सहित कई अन्य पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## पोखरे में डूबने से युवक की मौत

संवाददाता—महराजगंज। कोलहुई थाना क्षेत्र के एकसड्वा चौकी अंतर्गत ग्राम गुलरिहा कला में गुरुवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। धान की रोपाई के दौरान एक 18 वर्षीय युवक की पोखरे में डूबने से मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार गुलाम वारिस पुत्र वारिस अली निवासी ग्राम गुलरिहा कला टोला पोखरभिटवा अपने खेत में धान की रोपाई कर रहा था। रोपाई के दौरान वह हाथ—पैर धोने के लिए खेत के पास स्थित पोखरे पर गया। आशंका है कि इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में डूब गया। घटना की सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक शिवनाथ साहनी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

ग्रामीणों और परिजनों ने युवक को पोखरे से बाहर निकालकर तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लक्ष्मीपुर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। एसओ गौरव सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। जरूरी कार्रवाई की जा रही है।

## हनुमानगढ़ी के महंत संतरामदास महाराज को संतों महंतों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

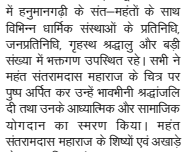

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। श्री हनुमानगढ़ी की उज्जैनिया पट्टी के प्रतिष्ठित संत एवं महंत संतरामदास महाराज के साकेतवास के उपरांत गुरुवार को श्री हनुमत कथा मंडपम, इमली बगिया में तेरहवीं संस्कार एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा में हनुमानगढ़ी के संत—महंतों के साथ विभिन्न धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि, गृहस्थ श्रद्धालु और बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे। सभी ने महंत संतरामदास महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके आध्यात्मिक और सामाजिक योगदान का स्मरण किया। महंत संतरामदास महाराज के शिष्यों एवं अखाड़े के महासचिव नंदरामदास महाराज, उमारामदास महाराज तथा राजूदास महाराज ने आगंतुक संतों, अतिथियों और श्रद्धालुओं का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि गुरुदेव का संपूर्ण जीवन भगवान श्रीराम और बजरंगबली की भक्ति, संत सेवा तथा समाज के कल्याण के लिए समर्पित रहा। उनके आदर्श और संस्कार सदैव सभी को प्रेरणा देते रहेंगे। श्रद्धांजलि सभा में भावांजलि प्रकट करते हुए संतों ने बताया कि संतरामदास महाराज केवल एक संत ही नहीं, बल्कि धर्म, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति समर्पित व्यक्तित्व थे। उन्होंने जीवनभर हनुमानगढ़ी की परंपराओं का संरक्षण किया और श्रीहनुमानजी व प्रभु श्रीराम की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। संतों ने कहा कि अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान भी महंत संतरामदास महाराज ने भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा विश्व हिंदू परिषद के साथ सक्रिय भूमिका निभाई। आंदोलन के विभिन्न चरणों में उनका मार्गदर्शन और सहयोग संत समाज के लिए महत्वपूर्ण रहा। वक्ताओं ने कहा कि महंत संतरामदास महाराज का जीवन सादगी, अनुशासन, सेवा और समर्पण का अनुपम उदाहरण था।

उन्होंने सदैव संत समाज को एकजुट रखने का प्रयास किया और धार्मिक परंपराओं के संरक्षण के साथ समाज में सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना का संदेश दिया। उनके साकेतवास से संत समाज ने एक अनुभवी मार्गदर्शक और आध्यात्मिक नेतृत्वकर्ता को खो दिया है, जिसकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी। इस अवसर पर सरपंच महंत रामकुमार दास, महंत संजय दास, वरिष्ठ पुजारी रमेश दास, महंत डॉ महेश दास, महंत गौरीशंकर दास, महंत धर्मदास, महंत हेमंत दास, मामादास जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जनमेजय शरण, महंत जयरामदास, महंत जनार्दन दास, सहित हनुमानगढ़ी के सभी संत महंत उपस्थित रहे सभी ने महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की और सभी का स्वागत सत्कार राजू दास महाराज ने किया।

## सांसद प्रतिनिधि ने बहुउद्देशीय ग्रामीण सहकारी समिति का किया उद्घाटन

संवाददाता—गोण्डा। झंझरी विकासखंड की ग्राम पंचायत पूरे तिवारी में गुरुवार दोपहर किसानों की सुविधा के लिए एक नवनिर्मित बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लिमिटेड का उद्घाटन किया गया। कैसरगंज सांसद प्रतिनिधि संजीव सिंह ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच फीता काटकर इसका शुभारंभ किया। इस सहकारी समिति के शुरू होने से क्षेत्र के कृषि क्षेत्र को नई दिशा मिलेगी। उद्घाटन के दौरान सांसद प्रतिनिधि संजीव सिंह ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें किसानों की आय दोगुनी करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने बताया कि न्याय पंचायत स्तर पर ऐसी समितियों का गठन स्थानीय विकास को गति देगा। समिति के चालू होने से क्षेत्र के सैकड़ों किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। अब उन्हें डीएपी और यूरिया खाद जैसी बुनियादी कृषि सामग्रियों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। किसानों को गांव के पास ही आसानी से और उचित दामों पर उत्तम गुणवत्ता की खाद और बीज उपलब्ध हो सकेंगे। इससे उनके समय और पैसे की बचत होगी, साथ ही बिचौलियों से भी मुक्ति मिलेगी। एडीओ कोऑपरेटिव सुधीर सिंह ने बताया कि पूरे तिवारी ग्राम पंचायत में बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति के उद्घाटन से आसपास के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। किसानों को डीएपी और यूरिया खाद अपने क्षेत्र में ही उपलब्ध हो सकेगी।

## पांच हजार घूस लेते कृषि विभाग का बाबू गिरफ्तार

संवाददाता—श्रावस्ती। बीज दुकान का लाइसेंस बनाने के लिए रुपए मांगना कृषि विभाग के लिपिक को महंगा पड़ गया। एंटी करप्शन टीम ने घूस के रुपए लेते समय लिपिक को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए बाबू पर प्राथमिकी दर्ज करा कर टीम गोण्डा ले गई। विकास भवन स्थित जिला कृषि अधिकारी कार्यालय में बृहस्पतिवार को एंटी करप्शन टीम ने एक बार फिर छापा मारा। इसके बाद फिल्मी अंदाज में टीम ने बीज पटल व बीज लाइसेंस के कनिष्ठ सहायक युगुल किशोर अवस्थी पुत्र सहजराम अवस्थी निवासी सहसा थाना पयागपुर बहराइच को पांच हजार घूस लेते रंगे हाथों दबोच लिया। टीम प्रभारी निरीक्षक धनंजय कुमार सिंह ने बताया मिनगा कस्बे के मोहल्ला बंदरहा शिवाजीपुरम निवासी अजय कुमार ने भ्रष्टाचार निवारण संगठन गोंडा इकाई से शिकायत की थी कि आरोपी लिपिक युगुल किशोर अवस्थी बीज दुकान के लाइसेंस के नाम पर पांच हजार रुपये की रिश्वत मांग कर रहा है। इस पर टीम ने योजना बनाई। इसके तहत आरोपी को रिश्वत लेते हुए कार्यालय में रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है। इसके बाद आरोपी लिपिक के विरुद्ध कोतवाली मिनगा में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है और टीम के लोग आरोपी बाबू को लेकर गोण्डा चले गए युगुल किशोर पहले बहराइच कृषि अधिकारी कार्यालय में तैनात थे। जून में बहराइच से स्थानांतरित होकर श्रावस्ती आए थे। तैनाती के बाद युगुल किशोर को बीज दुकान लाइसेंस का पटल दिया गया था। इसके बाद अवैध वसूली शुरू कर दी। इसकी शिकायत एंटी करप्शन टीम गोण्डा से की गई थी। टीम ने दोपहर में कृषि अधिकारी लिपिक में पहुंच कर घूस के रुपए के साथ गिरफ्तार कर लिया।

# चंपत राय का ड्राइवर टिन्नू और सुभाष मंदिर से बाहर लाते थे चढ़ावा चोरी की रकम!

**संवाददाता–अयोध्या।** अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण को लेकर पुलिस कस्टडी रिमांड पर लिए गए तीनों आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने एक कार, आभूषण और नकदी बरामद की है। बरामदगी आरोपियों के आवास और उनके बताए अन्य संभावित ठिकानों पर की गई छापेमारी के दौरान हुई। राममंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में पुलिस अब चोरी की पूरी साजिश और उसके तरीके का पर्दाफाश करने में जुटी है। जांच का सबसे अहम पहलू यह है कि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद चढ़ावे की रकम मंदिर परिसर से बाहर कैसे पहुंचाई जाती थी। इसी बिंदु पर पुलिस ने कस्टडी रिमांड के दौरान आरोपियों से पूछताछ किया। पूछताछ में आरोपी लवकुश, अनुकल्प और करुणेश ने बताया कि चढ़ावे की रकम को बाहर निकालने में पर सुभाष और चंपत राय के ड्राइवर टिन्नू की मदद ली जाती थी। इनकी मद्द मिलने के कारण आरोपियों को किसी भी बात का डर नहीं रहता था। जांच में सामने आया है कि शुरुआत में आरोपी संदेह से बचने के लिए कथित तौर पर थोड़ी–थोड़ी रकम बाहर निकालते थे। जब यह तरीका लगातार सफल होता गया और किसी स्तर पर रोक–टोक नहीं हुई, तो उनका मनोबल बढ़ता गया। इसके बाद बाहर ले जाई जाने वाली रकम की मात्रा भी धीरे–धीरे बढ़ाई जाने लगी।राममंदिर चढ़ावा चोरी मामले में गिरफ्तार आरोपी अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा और करुणेश पाण्डेय को पुलिस ने 40 घंटे की कस्टडी रिमांड पर लेकर लगातार पूछताछ किया। इसी दौरान पुलिस टीम तीनों आरोपियों को लेकर उनके आवास पर पहुंची। यहां चोरी के धन से खरीदी गई एक कार, कुछ आभूषण और नकदी बरामद की गई। इसके अलावा पुलिस ने उन अन्य स्थानों पर भी छापेमारी की, जहां आरोपियों के चोरी की रकम या अन्य साक्ष्य छिपाए जाने की आशंका थी। इससे पहले साइबर सेल ने तीनों आरोपियों की करीब एक वर्ष की मोबाइल चौट रिकवर कर उसका विस्तृत अध्ययन किया। इन चौट से करीब दो करोड़ रुपये की चोरी से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए थे। पूछताछ के दौरान इन्हीं चौट को आरोपियों के सामने रखा गया और उनसे एक–एक बिंदु पर जवाब मांगा गया। इसके साथ ही पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज भी आरोपियों को दिखाए, जिनमें कथित तौर पर चढ़ावा चोरी की पूरी कार्यप्रणाली दर्ज है। चौट और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने चोरी की संभावित रकम का आकलन किया और उसी के आधार पर आरोपियों से गहन पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दौरान तीनों आरोपियों ने कई ऐसे खुलासे किए हैं, जिनसे जांच का दायरा और बढ़ सकता है। इन बयानों के आधार पर पुलिस अब तथ्यों का सत्यापन कर रही है। जिन लोगों के नाम पूछताछ के दौरान सामने आए या जिनकी भूमिका संदिग्ध प्रतीत हुई, उनसे भी पूछताछ की गई है। अब बरामदगी और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर चढ़ावा चोरी की पूरी श्रृंखला को जोड़ने में मदद मिलेगी। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि चोरी की रकम कहां–कहां खर्च की गई, किन लोगों को उसका लाभ मिला और क्या इस पूरे प्रकरण में अन्य लोग भी शामिल थे। राममंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में बरामद किए गए आभूषणों की पड़ताल अब जांच का अहम हिस्सा बन गई है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों के निशानदेही पर बरामद हुए आभूषण उन्होंने बाजार से खरीदे थे या फिर श्रद्धालुओं से कथित फर्जी रसीद के जरिए प्राप्त किए गए थे। अगर फर्जी रसीद के उपयोग करने का मामला सामने आता है, तो श्रद्धालुओं के द्वारा दी गई वस्तुओं की बरामदगी होने से यह मामला केवल चढ़ावे की चोरी तक सीमित नहीं रहेगा। ऐसी स्थिति में श्रद्धालुओं से कथित रूप से आभूषण लेने की पूरी प्रक्रिया, फर्जी रसीदों के इस्तेमाल और इसमें शामिल अन्य संभावित लोगों की भूमिका भी जांच के दायरे में आ जाएगी। राममंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण की जांच अब उस व्यक्ति तक पहुंचने पर केंद्रित हो गई है, जिसे इस पूरे घटनाक्रम का मास्टरमाइंड माना जा सकता है।

# पिस्टल दिखाकर छात्रा का वीडियो बनाया, ब्लैकमेल कर वसूल

**संवाददाता–गोरखपुर।** पीपीगंज थाना क्षेत्र की बीए द्वितीय वर्ष की एक छात्रा को पिस्टल के बल पर धमकाकर उसका अश्लील वीडियो बनाने और उसे वायरल करने की धमकी देकर करीब एक वर्ष तक ब्लैकमेल कर 30 हजार रुपये वसूलने का मामला सामने आया है। रुपये मिलने बंद होने पर आरोपी ने वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर खोराबार थाना क्षेत्र के नोद उर्फ विनय यादव और मुकेश यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि खोराबार थाना क्षेत्र के सूबा बाजार निवासी विनोद यादव उर्फ विनय यादव अपने रिश्तेदार के यहां अक्सर पीपीगंज आता–जाता था।

इसी दौरान उसकी छात्रा और उसके परिवार से पहचान हो गई। आरोप है कि 10 जनवरी को जब परिवार के सदस्य खेत पर गए थे और वह घर पर अकेली खाना बना रही थी, तभी आरोपी घर में घुस आया। उसने जबरदस्ती करने का प्रयास किया और विरोध करने पर पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद उसने छात्रा का आपत्तिजनक वीडियो बना लिया।पीड़िता का आरोप है कि वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आरोपी ने करीब एक वर्ष तक उसे ब्लैकमेल किया और यूपीआई के माध्यम से चार–पांच किश्तों में लगभग 30 हजार रुपये वसूल लिए। जब छात्रा के पास रुपये खत्म हो गए तो उसने अपना सिम कार्ड बंद कर दिया। इसके बाद आरोपी ने एक जुलाई को कथित रूप से वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने की जानकारी परिचितों से मिलने पर परिजनों को घटना का पता चला। इसके बाद छात्रा ने तहरीर दी है।

# सीएम के आदेश के बाद भी नहीं मिला इंसाफ, अवहेलना करने वाले दण्डित हो



**संवाददाता–गोरखपुर।** खोराबार टाउनशिप और मेडिसिटी परियोजना से प्रभावित किसानों की वर्षों पुरानी पीड़ा गुरुवार को एक बार फिर सामने आई। अपनी जमीन और न्याय की मांग लेकर पहुंचे प्रभावितों को एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह ने भरोसा दिलाया कि जल्द ही गोरखपुर विकास प्राधिकरण, जिला प्रशासन और प्रभावितों की संयुक्त बैठक करा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुरूप मामले का समाधान कराएंगे। उन्होंने कमिश्नर अनिल ढींगरा एवं जीडीए उपाध्यक्ष अभिनव गोपाल से भी इस बाबत बात की। खोराबार टाउनशिप एवं मेडिसिटी परियोजना से प्रभावित भवन स्वामियों ने गुरुवार को एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह के समक्ष प्रस्तुत होकर गुहार लगाई। अपनी समस्याओं और मुआवजे को लेकर उनसे मिलने पहुंचे प्रभावितों से मुलाकात में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साल 2023 में ही इस मामले के समाधान के स्पष्ट निर्देश दिए थे, लेकिन तीन वर्ष बाद भी उनका पालन नहीं होना गंभीर चिंता का विषय है। मुख्यमंत्री के आदेशों की अनदेखी करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

एमएलसी ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर साल 2023 में अंतरविभागीय समन्वय समिति गठित की गई थी, जिसका उद्देश्य सभी पक्षों की रिपोर्ट के आधार पर विवाद का समाधान करना था। आरोप लगाया कि गोरखपुर विकास प्राधिकरण की ओर से समिति को जरूरी अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए गए, जिससे प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। इस बीच प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले हो गए और मामला फिर अधर में लटक गया। यह भी कहा कि प्रभावितों को नए अधिकारियों से यह सुनने को मिलता है कि मुख्यमंत्री ने जिन अधिकारियों को निर्देश दिए थे, वे अब यहां नहीं हैं। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मंडलायुक्त अनिल ढींगरा से भी बातचीत हुई है। जल्द ही एडीएम (वित्त), जीडीए अधिकारियों एवं प्रभावितों की संयुक्त बैठक कराकर समाधान की दिशा में पहल की जाएगी।

देवेंद्र प्रताप सिंह ने जीडीए की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। कहा कि किसानों से करीब 200 रुपये प्रति वर्गफीट की दर से जमीन अधिग्रहित की गई, जबकि उसी जमीन को 10 से 12 हजार रुपये प्रति वर्गफीट बेच रहे हैं लेकिन किसानों के साथ अन्याय और संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। उन्होंने गोरखपुर विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष अभिनव गोपाल कर फोन कर मामले से जुड़ी पत्रावलियों का निरीक्षण कर अंतरविभागीय कमेटी, जीडीए और प्रभावितों की साझी बैठक कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार समाधान निकालने के लिए निर्देशित किया।

एमएलसी से मुलाकात के उपरांत जंगल सिकरी एवं खोराबार बचाओ समिति के अध्यक्ष विजय नारायण मिश्रा, जयनारायण मिश्रा, राजमंगल राय, मणिकांत शाही, कमलेश राय, राजू पासवान, बृजेश राय, अनिल मिश्रा, अनिल शर्मा, शम्स तबरेज आलम, पंकज तिवारी समेत बड़ी संख्या में परियोजना प्रभावितों ने जीडीए उपाध्यक्ष अभिनव गोपाल से मुलाकात की। प्राधिकरण उपाध्यक्ष ने कहा कि परियोजना स्थल पर चल रहे निर्माण कार्य में सहयोग करें। उनके मामले में जल्द ही समाधान कराया जाएगा। इस दौरान जीडीए मुख्य अभियंता किशन सिंह भी उपस्थित रहे।

# परिजनों की सहमति से हुए सात फेरे, पिता ने किया कन्यादान

**संवाददाता–सिद्धार्थनगर।** भवानीगंज थाना क्षेत्र में एक प्रेमी युगल का विवाह परिवार की सहमति से दुर्गा मंदिर में धार्मिक रीति–रिवाजों के साथ संपन्न हुआ। इस विवाह की सबसे खास बात यह रही कि युवती के पिता की मौजूदगी और उनकी सहमति से बेटी का कन्यादान कराया गया। इससे पहले 27 जून से लापता युवती को भवानीगंज पुलिस ने सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा था।

जानकारी के अनुसार, भवानीगंज थाना क्षेत्र के सागर रौजा निवासी अंजू शर्मा और गोंडा जिले के खोड़ारे थाना क्षेत्र के चंपा नगर पिपरा इस्माइल निवासी गोपाल पांडे के बीच पिछले करीब पांच माह से प्रेम संबंध था। दोनों विवाह करना चाहते थे। 27 जून को अंजू घर से चली गई थीं, जिसके बाद परिजनों ने भवानीगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत मिलने पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवती को सकुशल बरामद किया और आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

इसके बाद दोनों परिवारों के बीच बातचीत हुई और आपसी सहमति बनने पर विवाह कराने का निर्णय लिया गया। निर्णय के अनुसार भवानीगंज स्थित दुर्गा मंदिर में दोनों का हिंदू रीति–रिवाजों के अनुसार विवाह संपन्न कराया गया।

विवाह समारोह में युवती के पिता स्वयं मौजूद रहे और उन्होंने अपनी सहमति से बेटी का कन्यादान किया। मंदिर में अंजू और गोपाल ने एक–दूसरे को वरमाला पहनाई तथा सात फेरे लेकर वैवाहिक जीवन की शुरुआत की। नवविवाहित दंपती ने बताया कि वे पिछले लगभग पांच महीने से एक–दूसरे को जानते थे और आपसी सहमति से विवाह करना चाहते थे। परिवार की रजामंदी मिलने के बाद उनका रिश्ता विवाह में बदल गया। पुलिस ने बताया कि युवती के सकुशल बरामद होने के बाद सभी विधिक औपचारिकताएं पूरी की गईं। दोनों बालिग हैं और परिवारों की सहमति मिलने के बाद परिजनों की मौजूदगी में विवाह संपन्न कराया गया। विवाह के बाद दोनों परिवारों ने नवदंपती को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद दांपत्य जीवन की कामना की।

# नाराज पत्नी को मनाने जा रहा था युवक, सड़क हादसे में चली गई जान





**संवाददाता–संतकबीरनगर।** खलीलाबाद–धनघटा मार्ग पर मैनसिर तिराहे के निकट सड़क हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। युवक अपनी रूठी पत्नी को मनाने के लिए बाइक से ससुराल जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चेहरे और जबड़े पर गंभीर चोट होने के कारण उसकी पहचान करने में पुलिस को काफी परेशानी हुई। बाद में बाइक के नंबर के आधार पर उसकी शिनाख्त हो सकी।

महुली थाना क्षेत्र के भिनखिनी खुर्द गांव निवासी विजय (पुत्र रामप्रीत) बुधवार की रात 11:30 बजे अपनी बाइक से खलीलाबाद स्थित ससुराल जा रहा था। स्वजन के अनुसार मना करने के बाद भी रात में अपनी रूठी पत्नी को मनाने के लिए निकल पड़ा। जैसे ही वह मैनसिर तिराहे के पास पहुंचा, खलीलाबाद की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि विजय सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। सिर और जबड़े में गंभीर चोट लगने तथा अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के लोग जब तक मौके पर पहुंचे, तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं।

सूचना मिलते ही महुली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चेहरे पर गंभीर चोट होने के कारण मृतक की पहचान तत्काल नहीं हो सकी। बाद में बाइक के पंजीकरण नंबर के आधार पर उसकी पहचान कर परिजनों को घटना की सूचना दी गई। हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। महुली के थानाध्यक्ष दुर्गेश कुमार पांडेय ने बताया कि तहरीर मिलने पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

# इटवा में होटल के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी

**संवाददाता–सिद्धार्थनगर।** जिले के इटवा कस्बे में जेकेजे होटल के बाहर खड़ी एक मोटरसाइकिल चोरी हो गई। पीड़ित ने इस संबंध में इटवा थाने में तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है और कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम सेमरी, थाना इटवा निवासी अरुण कुमार गुप्ता 4 जुलाई 2026 की शाम लगभग 6 बजे जेकेजे होटल में एक बैठक में शामिल होने गए थे। उन्होंने अपनी हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल (नंबर न्ब–55 8826) होटल के बाहर जियो ऑफिस के सामने खड़ी की थी।

बैठक समाप्त होने के बाद जब वे रात करीब 8रू30 बजे बाहर निकले, तो उनकी मोटरसाइकिल मौके से गायब मिली। काफी खोजबीन के बाद भी वाहन का कोई पता नहीं चल सका।

इसके बाद पीड़ित अरुण कुमार गुप्ता ने इटवा थाने में तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने चोरों के खिलाफ कार्रवाई और मोटरसाइकिल बरामद करने की मांग की है। सीसी फुटेज मिलने के बावजूद भी पुलिस अज्ञात चोरों को खोजने में जुटी घटना के कई दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस अभी तक चोरों का पता लगाने में नाकाम रही है।इस संबंध में थाना प्रभारी इटवा ने बताया की जाँच की जा रही हैं।

# ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग महिला की मौत

**संवाददाता–गोरखपुर।** चौरीचौरा थाना क्षेत्र के निबियहवा रेलवे ओवरब्रिज के नीचे गुरुवार की भोर में ट्रेन की चपेट में आने से एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका की पहचान चौरीचौरा क्षेत्र के चकदेईया गांव निवासी इस्माती देवी (70), पत्नी मदनलाल यादव के रूप में हुई। परिजनों के अनुसार उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। आशंका जताई जा रही है कि वह भोर में किसी तरह रेलवे ट्रैक पर पहुंच गईं और गुजर रही ट्रेन की चपेट में आ गईं। हादसे की जानकारी मिलने पर आसपास के लोग मौके पर जुट गए और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# सीएम को संबोधित ज्ञापन सौंपकर कांग्रेसियों ने मांगा आरक्षण



**संवाददाता–गोरखपुर।** उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के बैनर तले गुरुवार को निषाद, मल्लाह, केवट, बिंद, कश्यप, साहनी समेत अन्य उपजातियों को अनुसूचित जाति का दर्जा देने की मांग को ज्ञापन सौंपा गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन प्रदेश सचिव जनपद बस्ती के प्रभारी दिलीप कुमार निषाद के नेतृत्व में जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में एडीएम (सीआरओ) हिमांशु वर्मा को सौंपा गया। दिलीप कुमार निषाद ने निषाद समाज की विभिन्न उपजातियों को अनुसूचित जाति का दर्जा देने की मांग लंबे समय से की जा रही है, लेकिन अब तक इसे पूरा नहीं किया गया। केंद्र और प्रदेश में भाजपा की सरकार होने के बावजूद निषाद समाज को आरक्षण नहीं मिला जबकि कुछ नेता निषाद समाज के नाम पर राजनीति कर रहे हैं, लेकिन आरक्षण के मुद्दे पर मौन रह समाज को गुमराह कर रहे हैं।

2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए फिर से आरक्षण का मुद्दा उठाया जा रहा है। इस दौरान प्रदेश महासचिव पिछड़ा वर्ग देवेन्द्र निषाद ,अशोक कश्यप, अशोक निषाद, विपुल निषाद, अंकित निषाद, राहुल निषाद, चमन निषाद, शेरू निषाद, कमलेश निषाद, मोहन निषाद सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# चंपत राय समेत तीन की सिस्टम आईडी निष्क्रिय, चढ़ावा गणना की नई व्यवस्था लागू, नए सीईओ की जल्द होगी नियुक्ति





**संवाददाता–अयोध्या।** श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम मंदिर की दर्शन व्यवस्था में बड़ा प्रशासनिक बदलाव करते हुए पूर्व महासचिव चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा और गोपाल राव की वीआईपी एवं सुगम दर्शन पास जारी करने वाली सिस्टम आईडी निष्क्रिय कर दी है। वहीं, राम मंदिर के ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास का अधिकार बढ़ाते हुए उनके नाम से आईडी जनरेट कर दी गई है। अब उनकी आईडी से पास जारी किए जा सकेंगे। सूत्रों के अनुसार, राम मंदिर में दो प्रकार के पास जारी किए जाते हैं। सुगम दर्शन पास और विशिष्ट दर्शन पास। इसके लिए ट्रस्टियों और अधिकृत पदाधिकारियों के नाम से सिस्टम में अलग–अलग आईडी बनाई गई है। संबंधित पदाधिकारी की संस्तुति पर श्रद्धालुओं के लिए पास जारी किए जाते थे।

हाल के घटनाक्रमों के बाद ट्रस्ट ने पास जारी करने की व्यवस्था की समीक्षा करते हुए तीन ऐसी आईडी बंद कर दी हैं, जिनसे सबसे अधिक पास जारी हुए थे। अब ट्रस्ट से बाहर होने के बाद चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा और गोपाल राव की संस्तुति पर किसी भी प्रकार का सुगम या विशिष्ट दर्शन पास जारी नहीं किया जाएगा। सूत्रों का दावा है कि चढ़ावा प्रकरण में आरोपी टिन्नू यादव ने इसी व्यवस्था का दुरुपयोग करते हुए बड़ी संख्या में पास जारी करवाए थे। जांच एजेंसियां इस पूरे सिस्टम की भी पड़ताल कर रही हैं। कुछ लोगों पर इन आईडी के माध्यम से पास जारी कराने के नाम पर अवैध लाभ लेने के आरोप भी जांच के दायरे में हैं। इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देवगिरी ने राम मंदिर में चढ़ावे की गिनती की नई व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि हालिया बदलावों के बाद पहले जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति की संभावना नहीं है। सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त सावधानियां बरती गई हैं और नई व्यवस्था से चढ़ावा प्रबंधन पहले की तुलना में अधिक व्यवस्थित, सुरक्षित और पारदर्शी होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि ट्रस्ट में जल्द ही नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी सीईओ की नियुक्ति होगी। उनके अनुसार, नए सीईओ के कार्यभार संभालने के बाद ट्रस्ट की प्रशासनिक व्यवस्था और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी तथा प्रभावी बनेगी।उन्होंने कहा कि राम मंदिर देशभर के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और सम्मान का केंद्र है तथा ट्रस्ट इसी भावना के अनुरूप व्यवस्थाओं को लगातार बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। कोषाध्यक्ष ने अयोध्या के संतों से भी मुलाकात की।

उन्होंने दावा किया कि संत समाज ट्रस्ट के हालिया निर्णयों से संतुष्ट है। हालांकि संतों ने पूजा–पद्धति और मंदिर की व्यवस्थाओं को लेकर कुछ सुझाव दिए हैं, जिन पर ट्रस्ट गंभीरता से कार्य कर रहा है। गोविंददेव गिरि पांच जुलाई की शाम अयोध्या पहुंचे थे। चार दिनों तक अयोध्या प्रवास के बाद वे बृहस्पतिवार की सुबह महाराष्ट्र के लिए रवाना हो गए हैं।

कोषाध्यक्ष ने बताया कि ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय पूरी तरह स्वस्थ हैं और ट्रस्ट की नई व्यवस्थाओं एवं निर्णयों के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि चंपत राय के मन में किसी प्रकार का आक्रोश नहीं है और वह अनुशासित कार्यकर्ता के रूप में भारत माता की सेवा के लिए समर्पित हैं। गोविंददेव गिरी ने बताया कि उन्होंने चंपत राय से विस्तार से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य, ट्रस्ट की कार्यप्रणाली, मंदिर की व्यवस्थाओं और हाल के घटनाक्रमों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि चंपत राय ने ट्रस्ट के निर्णयों पर पूरा विश्वास व्यक्त किया है।


**अदालती नोटिस**

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी
मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–331/2000
रामहित
बनाम
सुभावन

1/1/1– जयकरन उम्र लगभग 40 साल 1/1/2– बलिकरन उम्र लगभग 35 साल पुत्रगण दयाराम ग्राम कुसम्हा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 2/1 ईश्वरदीन उम्र लगभग 47 वर्ष पुत्र नेपू ग्राम कुसम्हा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

**तारीख पेशी 16–07–2026**

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 16 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

**अदालती नोटिस**

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी
मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
कन्टेम्प्ट सं0–48/2018
हरिनाथ
बनाम
रामलाल आदि

2/1– रंजीत कुमार उम्र 22 साल 2/2– अजीत कुमार उम्र 20 साल पुत्रगण स्व० राजीव कुमार 2/3– संजीत कुमार उम्र 13 वर्ष नाबालिग पुत्र स्व० राजीव कुमार 2/4– कु० अनामिका उम्र 16 वर्ष नाबालिग पुत्री स्व० राजीव कुमार 2/5– श्रीमती अंजली देवी उम्र 40 वर्ष पत्नी राजीव कुमार निवासीगण साकिन– खाईनारा, तप्पा हवेली, परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती

**तारीख पेशी 05–09–2026**

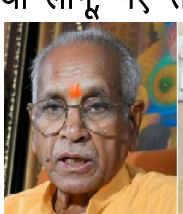

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 05 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

**अदालती नोटिस**

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
सि0 प्रकीर्ण अपील सं0–265 /2025
अदालत– श्रीमान प्रथम अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रदीप कुमार आदि
बनाम
रामललित आदि

1–रामललित उम्र लगभग 49 वर्ष पुत्र मोतीलाल 2–रामसुरेमन उम्र लगभग 79 वर्ष पुत्र गुरूचरन 3–राजेन्द्र उम्र लगभग 32 वर्ष 4–छोटू उम्र लगभग 29 वर्ष पुत्रगण रामफेर 5–श्रीमती सुमित्रा उम्र लगभग 64 वर्ष पत्नी रामफेर 6–बुधिराम उम्र लगभग 39 वर्ष पुत्र मोतीलाल 7–श्रीमती सुमिरता देवी उम्र लगभग 69 वर्ष पत्नी मोतीलाल 8–श्रीमती शकुन्तला देवी उम्र लगभग 46 वर्ष पत्नी रामललित 9–बालेदीन उम्र लगभग 74 वर्ष पुत्र उदई सा०–रखौलिया, तप्पा–कोठिला, परगना बस्ती पूरब तहसील–भानपुर, जिला–बस्ती

– विपक्षीगण प्रथम पक्ष

10–सन्तोष कुमार उम्र लगभग 32 वर्ष 11–मनीष कुमार उम्र लगभग 29 वर्ष पुत्रगण जुगुन किशोर 12–मोहित उम्र लगभग 21 वर्ष 13–विष्णु उम्र लगभग 18 वर्ष पुत्रगण जुगुल किशोर सा०–रखौलिया, तप्पा–कोठिला, परगना बस्ती पूरब तहसील–भानपुर, जिला–बस्ती

– विपक्षीगण द्वितीय पक्ष

**तारीख पेशी 31–07–2026**

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 31 महीना 07 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम



**दैनिक भारतीय बस्ती**

**संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय**
**स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।**

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
**अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–**
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
**लखनऊ कार्यालय–**
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
**गोरखपुर कार्यालय–**
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
**dainikbhartiyabasti@gmail.com**